दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर || वर्ष : 03 अंक:38 | ग्वालियर गुरुवार, 06 फरवरी 2020 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

संक्षिप्त समाचार

शर्म की बात है कि पढे लिखे होने के बाद भी युवकों को रोजगार नहीं मिलताः मनमोहन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा है कि यह शर्म की बात है कि पढ़े लिखे होने के बावजूद हमारे युवकों को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनी तो बेरोजगारी से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। मनमोहन सिंह ने कहा कि मैं कुछ ऐसे मुद्दे उठाना चाहता हूं जो युवाओं से जुड़े हैं। शिक्षा पर इतना पैसा खर्च करने के बाद भी उन्हें रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। यह शर्म की बात है। मशहूर अर्थशास्त्री सिंह ने यह भी कहा कि दिल्ली में बेरोजगारी की दर पिछले चार महीने में 15 फीसदी थी जो अन्य स्थानों की तुलना में बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कांग्रेस लोगों के लिए प्रतिबद्ध है और यदि कांग्रेस राज्य की सत्ता में आती है, तो बेरोजगारी से निपटने के लिए ठोस कदम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य जोर बेरोजगारी हटाने पर होगा। उन्होंने कहा दिल्ली में फैक्ट्री श्रमिकों की संख्या शीला दीक्षित के कार्यकाल 2013-14 से अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल 2017-18 में घटी है। उन्होंने कहा 2013-14 में फैक्ट्री श्रमिकों की संख्या 75,273थी जो 2017-18 में घटकर 68,630 हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की अपनी सोच से अपने कार्यकाल में दिल्ली की शक्ल बदल डाली।

सरकार की 'तीन गलतियों' के चलते अर्थव्यवस्था की यह हुई हालतः चिदंबरम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा सरकार की तीन बड़ी गलतियों नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण जीएसटी और बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव की वजह से अर्थव्यवस्था नियंत्रण से बाहर हो गई है। चिदंबरम ने बुधवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने तीन बड़ी गलतियां की हैं। नोटबंदी की ऐतिहासिक गलती, जल्दबाजी में गड़बड़ियों वाला माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करना और बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव बनाने जैसी गलतियों की वजह से आज हमारी अर्थव्यवस्था टूट रही है। उन्होंने कहा देश एक बार फिर आर्थिक वृद्धि की दृष्टि से 'उदासीन' वर्ष की ओर बढ़ रहा है। चिदंबरम ने कहा हम लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन यदि पश्चिम एशिया में कोई समस्या खड़ी हो जाती है या अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध छिड़ जाता है तो क्या हमारे पास उसके लिए 'प्लान बी' है? उन्होंने कहा कि सरकार ने बाजार आधारित वृद्धि दर का 10 प्रतिशत का जो लक्ष्य रखा है, वह 'निराशावादी' है। वास्तविक वृद्धि दर हद से हद पांच प्रतिशत रहेगी। चिदंबरम ने कहा पिछली छह तिमाहियों में वृद्धि दर घटी है। यदि सातवीं तिमाही में भी ऐसा होता है तो इसका मतलब होगा कि यह गिरावट बनी रहेगी। हम अब भी ऐसी सुरंग में हैं जहां रोशनी नहीं दिख रही है। हम सुरंग में ही हैं। पूर्व वित्तमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुस्ती की वजह विपक्ष बता रहा है, जबकि इसका स्पष्टीकरण सरकार की ओर से दिया जाना चाहिए। कई आर्थिक आंकड़े देते हुए चिदंबरम ने कहा कि ये लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा खनन, विनिर्माण, बिजली, कोयला, कच्चा तेल और गैस सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन काफी खराब है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मांग में सुधार के लिए कंपनी कर में कटौती की है। कंपनी कर घटाने के बजाय यदि सरकार ने जीएसटी के मोर्चे पर राहत दी होती तो लाखों लोगों के हाथ में अधिक पैसा रहता जिससे निवेश बढ़ता। उन्होंने कहा कि लोगों के हाथ में अधिक पैसा पहुंचाने का एक अन्य विकल्प मनरेगा और प्रधानमंत्री किसान योजना में और पैसा डालना हो सकता है।

आज का कार्टून

रामलला के वकील के परासरन होंगे राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र' ट्रस्ट की आज घोषणा कर दी। इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। शुरुआती दिनों से रामलला पक्ष की वकालत करने वाले वरिष्ठ वकील के परासरन इस ट्रस्ट के अध्यक्ष होंगे।

सदस्यों में शंकराचार्य वासुदेवानंद महाराज, हरिद्वार के परमानंद महाराज जी, पुणे के स्वामी गोविंदगिरी जी, विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा, अयोध्या से होम्योपैथिक डॉक्टर डॉ. अनिल मिश्रा, बिहार से डॉ. कमलेश्वर चौपाल, निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास का नाम शामिल है। इनके अलावा अयोध्या डीएम ट्रस्ट के संयोजक सदस्य होंगे। साथ ही ट्रस्ट में 6 नामित सदस्य भी होंगे। इनको बोर्ड ऑफ ट्रस्ट नामित करेगा। अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आज संसद में पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करने वाले ट्रस्ट का ऐलान कर दिया। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद लोकसभा में पीएम मोदी ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण करने वाले ट्रस्ट का नाम श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र होगा। यह पूरी तरह से मंदिर निर्माण कार्य के लिए स्वतंत्र होगा। संसद सत्र के पांचवें दिन बुधवार को पीएम मोदी ने कहा,'आज मैं बहुत ही अहम मुद्दे पर एक जानकारी देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। यह विषय करोड़ों देशवासियों की तरह मेरे हृदय के लिए भी करीब है। यह विषय श्रीराम जन्मभूमि से जुड़ा हुआ है। यह विषय अयोध्या में श्रीराम जन्मस्थली पर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण से जुड़ा हुआ है।'

सभी धर्मों पर पड़ेगा एनआरसी का असर इसे महाराष्ट्र में लागू नहीं होने देंगः उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने फिर दोहराया कि उनकी सरकार प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी को राज्य में लागू नहीं होने देगी, क्योंकि इसका असर सभी धर्मों पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में अपने तीसरे साक्षात्कार में कहा कि बांग्लादेशी और पाकिस्तानी शरणार्थियों को देश से बाहर निकालना शिवसेना की पुरानी मांग रही है।

शिवसेना अध्यक्ष ने कहा मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का असर हिंदुओं पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत को पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों की संख्या जानने का अधिकार है जिन्होंने अपने देशों में सताए जाने के बाद भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन दिया। ठाकरे ने सामना को दिए एक साक्षात्कार में कहा जब वे यहां आते हैं तो क्या उन्हें 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत मकान मिलेंगे? उनके बच्चों के रोजगार और शिक्षा का क्या? ये सभी मुद्दे महत्वपूर्ण है और हमें जानने का अधिकार है। हमारे खुद के लोगों के पास रहने की पर्याप्त जगह नहीं है। क्या ये लोग दिल्ली, बेंगलुरु या कश्मीर जाएंगे क्योंकि अनुच्छेद 370 हट गया है? मुख्यमंत्री ने कहा कई कश्मीरी पंडित परिवार अपने ही देश में शरणार्थियों की तरह रह रहे हैं। सीएए नागरिकों को देश से बाहर करने के लिए नहीं है।

प्रियंका ने फिर उठाया जम्मू-कश्मीर में नेताओं की नजरबंदी का मामला, पूछा लोकतंत्र है या नहीं?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में नेताओं को नजरबंद किए जाने का मामला उठाया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला को नजरबंद करने पर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। प्रियंका ने पूछा कि क्या अभी भी हम लोकतंत्र हैं या नहीं। प्रियंका ने कहा दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को बिना किसी कारण जेल में रखा गया है और जम्मू-कश्मीर में लाखों लोगों की सामान्य गतिविधियां रोक दी गई हैं। इसके छह महीने हो चुके हैं।

छह महीने पहले हम पूछ रहे थे कि यह कब तक चलेगा? अब हम पूछ रहे हैं कि देश में अभी भी लोकतंत्र हैं या नहीं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को भी मोदी सरकार पर निशाना था। उन्होंने कहा बजट में भाजपा के 'खोखले दावों' की पोल खुल गई है, क्योंकि किसानों की आत्महत्या की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में एक किसान की कथित आत्महत्या को लेकर मीडिया में आई खबर पर की। प्रियंका ने ट्वीट किया, जब भाजपा सरकार बजट में किसानों के हित की खोखली बातें कर रही थी, उसी समय उप्र, बांदा में किसानों की आत्महत्या की घटना सरकार के दावों की पोल खोल रही थी।' उन्होंने लिखा बुंदेलखंड में कर्ज के चलते किसान आत्महत्या की घटनाएं रूक नहीं रही हैं। लेकिन भाजपा ने इसकी कभी सुध नहीं ली।

सेना में पुरुष जवान अब भी महिला अफसरों से कमांड लेने में पूरी तरह सहज नहींः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सेना में महिला अधिकारियों की नियुक्तियों में भेदभाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सेना में पुरुष जवान अभी भी महिला अधिकारियों से कमांड लेने में पूरी तरह से सहज नहीं है।

केंद्र की ओर से सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया गया कि उनका किसी भी तरह से यह मतलब नहीं है कि पुरुष महिलाओं से कमांड नहीं ले सकते। टिप्पणी में आगे कहा गया कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर होने का प्रयास नहीं करना चाहिए, वास्तव में वे पुरुषों से ऊपर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सरकार को इसे लागू करते देखना चाहते हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह सेना के संदर्भ में सुनवाई करेंगे। वायु सेना और नौसेना के लिए दलीलें अगले सप्ताह सुनी जाएंगी। जस्टिस चंद्रचूड़ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की बातों पर सहमति जताते हुए कहा कि दलीलें रिपोर्ट की तुलना में अधिक बारीक और प्रासंगिक थीं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर सरकार की ओर से इच्छाशक्ति और मानसिकता में बदलाव होता है, तो महिला अधिकारियों को सेना में कमान के पद दिए जा सकते हैं, क्योंकि लड़ाकू अभियानों के अलावा कई अन्य सेवाएं हैं, जहां महिलाओं को तैनात किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम उन सभी महिला अधिकारियों के आवेदन लेंगे जो सेवा में हैं और जो नहीं हैं। जो इस निर्णय द्वारा शासित होंगे, हमें अलग-अलग आदेश पारित नहीं करने होंगे।इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि दूसरी तरफ से तर्क यह है कि शुरू से ही भेदभाव होता है, इसलिए हमें नहीं दिया जाता है और भेदभाव है। याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कहा गया कि एसएससी 2006 में पेश किया गया था और तब विकल्प दिया गया था कि वे पुरानी नीति द्वारा शासित होना चाहते हैं। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि एसएससी (11 महीने) में प्रशिक्षण में अंतर होता है और जब कोई भारतीय सैन्य अकादमी (18 महीने) से बाहर निकलता है, तो वहां स्थाई प्रवेश होता है।

देर से सो कर उठने पर पत्नी ने ताना मारा, पति ने ले ली जान

नई दिल्ली। पुलिस ने 45 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की गला घोट कर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दरअसल, इस व्यक्ति की पत्नी ने उसके देर से सो कर उठने को लेकर अपनी बहन के सामने ताना मारा था। इससे वह बहुत नाराज हो गया। पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद निवासी फजहीन नाम के आरोपी ने अपनी पत्नी की गला दबा कर हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा, इसके बाद समीना नाम की महिला को एम्स के ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि फजहीन के खिलाफ नेब सराय पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। दरअस, मंगलवार को समीना अपनी बहन के साथ बैठी थी, तभी उसने देर से सो कर उठने के लिए अपने पति को ताना मारा। इस पर आरोपी ने समीना को धमकी दी और बाद में गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी।

(नई दिल्ली) राजस्थान के राज्यपाल ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

दिल्ली के चुनाव में आप को 70 सीटें?

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान के कुछ घंटे शेष रह गये हैं। मतदाताओं के बीच बीच जिस तरह की चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं । उसके अनुसार दिल्ली के मतदाता, मुख्यमंत्री के रूप में केजरीवाल को पसंद कर रहे हैं। बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं तथा शिक्षा के क्षेत्र में केजरीवाल सरकार ने पिछले वर्षों में जो काम किया है।

उससे मतदाता प्रभावित है। दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार पूर्व की तुलना में काफी कम है। पिछले 1 साल में अरविंद केजरीवाल की विश्वसनीयता मतदाताओं के बीच बढ़ी है। मध्यम एवं कमजोर वर्ग के लोगों में आम आदमी पार्टी पहली पसंद है। दिल्ली महानगर पालिक निगम में पिछले 15 वर्षों से भाजपा काबिज है। वहां भ्रष्टाचार और विकास कार्यों को लेकर दिल्ली की जनता दुखी है। मतदाता खुलकर नगर निगम तथा दिल्ली सरकार के कामकाज की तुलना कर रहा है। इसमें आम आदमी पार्टी का पलड़ा भारी हुआ है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा नेताओं द्वारा पानी, बिजली एवं बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा देने का विरोध किया। केजरीवाल सरकार को इन्हीं मुद्दों पर घेरने की कोशिश की गई। भाजपा नेताओं द्वारा जिस तरह केजरीवाल को आतंकवादी, अराजक, नक्सली गेंग एवं हिन्दु -मुस्लिम ध्रुवीकरण करने का प्रयास किया गया। इसका आम जनता के बीच चुनाव प्रभाव का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दिल्ली के हिन्दू मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नायक मानते हुए लोकसभा चुनाव में जिस तरह भाजपा को एकतरफा समर्थन दिया था। उसी तरह आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के पक्ष में मतदाताओं का दिख रहा है। दिल्ली के मतदाता पिछले 1 माह में भाजपा के नेताओं द्वारा किये जा रहे चुनाव प्रचार, शाहीन बाग का आंदोलन, जेएनयू तथा जामिया मिलिया की कार्यवाही को लेकर पुलिस की भूमिका से नाराज है। वहीं विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अन्य प्रदेशों से आये भाजपा नेताओं के बिगड़े बोल ने केजरीवाल के पक्ष में सहानुभूति की लहर पैदा कर दी है। मतदाताओं का जो रुख और रुझान देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि आम आदमी पार्टी यदि 70 सीटों में से 70 सीटें जीत ले तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा।

माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन द्वारा हटाया गया अवैध अतिक्रमण

मोहन मांझी रिपोर्टर

गोहद – गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विगत दिनों शासकीय महर्षि अरविन्द महाविद्यालय कॉलेज गोहद के परिसर में अवैध अतिक्रमण धारियों के विरुद्ध अतिक्रमण हटाने पश्चात प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के आदेश उपरांत गोहद प्रशासन ने नगर पालिका और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कीरतपुरा क्षेत्र में लगभग 44 मकानों और चार अन्य को मौके से हटाया और कॉलेज प्रशासन को कब्जा सौंपा इसके बाद पूरा प्रशासन नगर पालिका द्वारा चयनित लगभग लगभग 40 से 50 अवैध अतिक्रमण बस स्टैंड से लेकर तहसील परिसर तक कब्जा किए हुए थे उनको हटाया और आगामी दिनों में भी इसी प्रकार की कार्रवाई की तैयारी की साथ में एस डी एम आर ए प्रजापति तहसीलदार नागेश्वर प्रसाद पनिका नायब तहसीलदार शिल्पा सिंह नायब तहसीलदार श्री जैन चारों सर्किल के आर आई एसडीओपी परमाल सिंह मेहरा सभी थानों के थाना प्रभारी मैं पुलिस बल के एवं समस्त पटवारी गढ़ साथ में मौजूद रहे।

इनका कहना है

1.हमारे मकान को तोड़ दिया गया है अभी हमारे पास रहने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है और ना ही प्रशासन ने हमारे रहने की कोई व्यवस्था की है जिससे हम खुले में रहने को मजबूर हैं

-स्थानीय निवासी कीरतपुरा

2.माननीय न्यायालय के निर्णय का हम सभी स्वागत करते हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा जो अवैध अतिक्रमण को हटाया गया है उनके पहले रहने की व्यवस्था उनको करनी चाहिए थी जो कि उन्होंने नहीं की है

-लाल सिंह आर्य पूर्व मंत्री

3.माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार कॉलेज के पास अवैध अतिक्रमण धारियों के लगभग 44 लोगों के अतिक्रमण को नष्ट कर कब्जा प्रशासन को सौंपा है कॉलेज प्रशासन को सौंपा है साथ ही रोड के किनारे रखे हुए गुमटी को भी प्रशासन द्वारा हटाया गया है आगामी दिनों में भी यह कार्रवाई जारी रहेगी आर ए प्रजापति एसडीएम गोहद

4.माननीय न्यायालय के आदेशानुसार अवैध अतिक्रमण हटाया जा रहा है उसमें प्रशासन के सभी थानों के प्रभारियों के साथ भरपूर मात्रा में पुलिस बल की व्यवस्था है की गई है जो कि अतिक्रमण हटाने में पूरा सहयोग करेगी -

परमाल सिंह मेहरा एसडीओपी गोहद

संक्षिप्त समाचार

आज विद्युत बंद रहेगी

मुरैना। उपमहाप्रबंधक ने बताया कि 33 के.व्ही. एवं 11 केव्ही लाइनों पर अतिआवश्यक निर्माण कार्य होने के कारण 6 फरवरी 2020 को सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक 33 केव्ही इंडस्ट्रीयल फीडर से संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

मुरैना जनपद की 106 ग्राम पंचायतों मे 3 चरणों में हो रहा है मनरेगा के निर्माण कार्यो का सामाजिक अंकेक्षण

मुरैना। शासन की मंशा के अनुरूप शासन की विभिन्न योजनाओं एवं क्रियाओं की स्थिति को धरातल स्तर पर जानने के लिए एवं जनता व ग्रामवासियों तक शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ की जानकारी पहुंचाने हेतु शासन द्वारा ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास द्वारा जनपद पंचायत मुरैना की 106 ग्राम पंचायतों में 27 जनवरी से 24 फरवरी 2020 तक 03 चरणों में मनरेगा योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 के निर्माण कार्यों का सत्यापन कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त निर्देशों के क्रम में 03 व्हीएसए का एक दल बना कर 02-02 ग्राम पंचायतें आवंटित कर ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य करने हेतु जनता के बीच ग्राम पंचायतों में भेजा गया है । तत्पश्चात पूर्व निर्धारित तिथियों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में एक-एक नोडल अधिकारी एवं एक-एक कार्यवाही अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इस बीच तिलक सिंह कुशवाहा परियोजना अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत मुरैना, देवेंद्र वर्मा जिला नोडल अधिकारी सामाजिक अंकेक्षण जिला मुरैना, पवन चौरसिया विकासखंड नोडल अधिकारी जनपद पंचायत मुरैना, द्वारा पंचायतों में गौशाला, तालाब, चेकडैम निर्माण कार्यों का निरीक्षण एवं परीक्षण भी किया जा रहा है ऐसी जानकारी सृष्टि भदौरिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मुरैना एवं रविंद्र तोमर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा द्वारा बताई गई।

रोड़ पर खड़े होकर बातें कर रहे दोस्तो को कार ने मारी टक्करए एक घायल

शिवपुरी। पुलिस थाना कोतवाली क्षेत्र में पोलोग्राउण्ड के समीप तीन दोस्त मिलकर रात्रि के समय आपस में बातें कर रहे थे तभी तेज गति से एक होंडा सिटी कार आई और इन युवकों को टक्कर मार दी जिसमें दो दोस्त तो बच गए लेकिन एक तीसरे दोस्त इस दुर्घटना का शिकार हो गया। इस पर पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपी कार चालक के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में ले लिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना कोतवाली में फ रियादी सौरभ मित्तल पुत्र सुरेश कुमार मित्तल उम्र 29 वर्ष निवासी एसपी साहब की कोठी के पीछे हाथीखाना शिवपुरी ने बताया कि वह बीती रात्रि को महल के सामने पोलोग्राउण्ड के गेट के पास स्थित अपने मित्र रितेश सोनी व दिलीप श्रीवास्तव से रोड़ किनारे खड़े होकर आपसी चर्चा व बातें कर रहे थे तभी अचानक रात करीब सवा 9 बजे एक होंडा सिटी कार क्रंण्एमपी 07 सीडी 9958 आई और तेज गति से चला रहे वाहन चालक का वाहन से संतुलन खो गया और उसने इन दोस्तों को टक्कर मार दी जिसमें वह स्वयं और उसका दोस्त रितेश दुर्घटना से बच गए लेकिन इस दुर्घटना में दिलीप श्रीवास्तव चपेट में आ गया और उसे टक्कर लगने से वह घायल हो गया। इस दुर्घटना को लेकर फरियादी सौरभ मित्तल द्वारा पुलिस थाना कोतवाली में आरोपी होंडा सिटी कार चालक के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई गई जिस पर पुलिस ने धारा 279,337 के तहत मामला पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में ले लिया है।

पिकअप गाड़ी की टक्कर से पति-पत्नी घायल

शिवपुरी। जिले के बैराढ़ थाना क्षेत्र में एक बाईक सवार दंपत्ति को पिकअप चालक ने वाहन तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी और दुर्घटना को अंजाम देकर आरोपी पिकअप चालक वहां से भाग गया जबकि दुर्घटना में दंपत्ति को चोट आई और वह पुलिस थाना बैराढ़ पहुंचे जहां आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध शिकायत की। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में ले लिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना बैराढ़ में फरियादी कमलेश पत्नि देवेन्द्र कुमार आर्य उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बूढ़दा हाल वार्ड क्रंण् भदौरा ने बताया कि वह अपने पति देवेन्द्र के साथ बाईक पर सवार होकर बैराढ़ से कहीं बाहर जा रहे थे तभी आयशर पेट्रोल पंप के सामने बैराढ़ में इस दंपत्ति के वाहन को पिकअप वाहन क्रँ.एमपी 07 जीए 0292 के चालक ने वाहन को तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी और दुर्घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिकअप चालक वहां से भाग खड़ा हुआ।

सरपंच पद के उम्मीदवारों ने अपना अपना कार्य काल ग्रहण किया

नेनाराम सिरवी ब्यूरो

राजस्थान पंचायती राज चुनाव2020के विजेता सरपंच पद के उम्मीदवारों ने अपना अपना कार्य काल ग्रहण किया ग्राम पंचायत चाचोड़ी मे पूनम सिंह राजपुरोहित और ग्राम पंचायत वदेरवास में लीला देवी सिरवी ने अपने कार्यकाल की सुरुआत की इस दौरान इन विजेता सरपंच पद के उम्मीदवारों ने अपने निजी ग्राम में विशाल समान समोरह रखा प्राप्त ग्राम चाचोड़ी में आगामी नो जनवरी को रखा गया है इस प्रोग्राम में कई राजनीतिक दलों के गण मान्य लोग अपनी हाजरी देगे इशी क्रम में लीला सिरवी के समान समोरह में सुमेरपुर विद्यायक जोराराम कुमावतआठ जनवरी को आएगे और केसरिया हिन्दू परिषद के सम्पूर्ण पाली जिले के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

सही समय पर कैंसर का ईलाज हो तो व्यक्ति बच सकता है - कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि व्यक्ति कैंसर जैसी बीमारी से डरें नहीं, कैंसर का ईलाज सही समय पर हो तो व्यक्ति बच सकता है। यह बात उन्होंने बुधवार को चिकित्सालय परिसर में आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये कही। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी बांदिल, सिविल सर्जन डॉ. एके गुप्ता, रेडक्रॉस की ओर से श्री गोपाल दास गांधी, सिम्स हॉस्पीटल ग्वालियर के डॉ. ओपी शुक्ला एवं उनकी पूरी टीम सहित चिकित्सक एवं बड़ी संख्या में विभिन्न बीमारियों के मरीज उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश योजना 23 सितम्बर 2018 को विभिन्न प्रदेशों में प्रारंभ हुई, इसके साथ ही मध्यप्रदेश में भी इस योजना को आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के नाम से शुरू किया गया था। इस योजना में चिन्हित परिवार के प्रत्येक परिवार को 5 लाख रूपये तक का सालाना कैशलैस ईलाज की व्यवस्था की गई है। इस योजना में 1399 बीमारियों का ईलाज किया जाता है। इन 1399 बीमारियों में से 236 बीमारियों का ईलाज शासकीय अस्पतालों में आरक्षित है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ सामाजिक एवं आर्थिक गणना 2011 में चिन्हित गरीब परिवारों को प्रदान किया जाता है। जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत आने वाले खाद्य सुरक्षा पर्ची धारक परिवार, मुख्यमंत्री सबंल योजना के अन्तर्गत पात्र परिवार लाभान्वित होंगे। कलेक्टर ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश योजना का कार्ड नजदीकी कॉमन सर्विस सेन्टर या जिला चिकित्सालय में काउन्टर पर बनवा सकते है। कार्ड बनवाने के लिये परिवार आईडी, आधार कार्ड की प्रतिलिपि देनी होगी साथ में कार्ड बनवाने वाले व्यक्ति का अंगूठा भी लगेगा, तभी आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश योजना का कार्ड बन सकेगा। आयुष्मान कार्ड के द्वारा व्यक्ति चिन्हित मध्यप्रदेश के हॉस्पीटलों में प्रतिवर्ष जांच, दवाईयां एवं स्वास्थ्य लाभ पर 5 लाख रूपये कैशलैस शासन द्वारा संबंधित चिकित्सालय को प्रदान किया जावेगा। कलेक्टर ने कहा कि कैंसर जैसी भयानक बीमारी की समय पर जांच हो जाये तो उसका ईलाज भी संभव है। विशेषकर कैंसर जैसी बीमारी के 4 चक्र में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चक्र तक परीक्षण कराकर ईलाज कराने वाले बच भी जाते है। व्यक्ति सजक होकर समय पर बीमारी का ईलाज करायें तो बड़ी से बड़ी बीमारी से व्यक्ति को बचाया जा सकता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी बांदिल ने कहा कि जिले में 14 लाख 15 हजार 498 का लक्ष्य है। जिसमें अभी तक जिले में 2 लाख 67 हजार 831 गोल्डन कार्ड बनकर तैयार किये गये है। जिन पर 39 लाख 97 हजार 700 रूपये अभी तक विभिन्न हॉस्पीटलों के माध्यम से ईलाज मरीजों का कराया जा चुका है। इस अवसर पर सिन्स हॉस्पीटल ग्वालियर के डॉ. ओपी गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन विजय ने किया एवं आभार प्रदर्शन डीपीएम श्री श्रीवास्तव ने किया।

नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति और जल-कर सहित अन्य करों के अधिभार पर मिलेगी छूट

नेशनल लोक अदालत 8 फरवरी को

मुरैना। प्रदेश में 8 फरवरी को आयोजित हो रही नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति-कर, जल-कर एवं अन्य करों के अधिभार पर निर्धारित शर्तो के अधीन छूट दी जायेगी। ये छूट उन निकायों में लागू नहीं होगी, जहाँ निर्वाचन की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होगी।

सम्पत्ति-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपये तक बकाया हो, उनमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जल-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक बकाया होगी, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। सम्पत्ति-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक तथा एक लाख के बीच बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जल-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार से 50 हजार तक है, उनमें अधिभार में 75 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। सम्पत्ति-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख से अधिक बकाया है, उनमें अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जल-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

यह छूट मात्र एक बार ही दी जायेगी। आगामी 8 फरवरी को आयोजित हो रही लोक अदालत के लिये यह छूट वर्ष 2018-19 तक की बकाया राशि पर ही दी जायेगी। छूट के बाद राशि अधिकतम 2 किश्तों में जमा करनी होगी, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन ही जमा कराना अनिवार्य होगा। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सभी नगर निगम आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को दिये गये हैं।

खरीफ रबी की सभी फसलों के उत्पादन लागत एवं शुद्ध आय के संबंध में बैठक सम्पन्न

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक कलेक्टर कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में मुरैना जिले में बोई जाने वाली फसलों की लागत मूल्य, उत्पादन एवं शुद्ध आय की गणना की जानकारी जिले के समस्त कार्यरत बैंको से प्राप्त की। जिसमें वर्ष 2020-21 में फसलों के ऋणमान तय किये गये। वर्ष में खरीफ रबी की सभी फसलों की उत्पादन, लागत एवं शुद्ध आय की गणना हेतु कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वास्तविक मूल्य आधार पर करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने वर्ष 2020-21 के लिये बाजरा, गेहूं एवं सरसों की फसल के लिये ऋणमान में वृद्धि की गई। शेष फसलों के लिये ऋणमान यथावत रखे गये है। इसी प्रकार मत्स्य पालकों के लिये भी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण वितरण हेतु ऋणमान का निर्धारण किया गया। पशुपालक कृषकों के लिये भी गाय,भैंस, भेड, बकरी, मुर्गीपालन के लिये भी इकाई लागत के आधार पर ऋण बागवानी फसलों के लिये भी ऋणमानों का निर्धारण किया गया है।

आदिवासी क्षेत्रों में 50 सामुदायिक भवनों के लिये 34 करोड़ स्वीकृत

मुरैना। राज्य शासन ने प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया बहुल्य क्षेत्रों में 50 सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिये 34 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इनमें से संभागीय स्तर पर बनने वाले 3 सामुदायिक भवन के लिये 6 लाख रुपये, 10 जिला-स्तरीय सामुदायिक भवन निर्माण के लिये 10 लाख रुपये और 37 विकासखण्ड-स्तरीय सामुदायिक भवन निर्माण के लिये 18 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रदेश में निवास करने वाली आदिवासियों की संस्कृति और उनके देव-स्थलों के संरक्षण के लिये आस्थान योजना शुरू की गई है। योजना के जरिये आदिवासी समुदाय के कुल-देवता और ग्राम देवी-देवताओं के स्थानों में निर्मित देवगुढ़ी, मढ़िया, देवठान पर आने वाले श्रद्धालुओं के विश्राम के लिये सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इन सामुदायिक भवनों में पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ होंगी। जबलपुर, ग्वालियर और शहडोल संभागीय मुख्यालय पर 2-2 करोड़ रुपये के मान से राशि मंजूर की गई है। जिला-स्तरीय सामुदायिक भवन निर्माण के लिये 1-1 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। ये सामुदायिक भवन मंडला जिले के मोहगांव विकासखण्ड के ग्राम चौगान, डिंडोरी जिले के डिंडोरी, अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड के अमरकंटक, गुना जिले के राघौगढ़ विकासखण्ड के ग्राम लक्ष्मणपुरा, उमरिया जिले के पाली, छिंदवाड़ा जिले के तामिया विकासखण्ड में अनहोनी मेला, मुरैना जिले के पहाडगढ़, शिवपुरी जिले के पोहरी, अशोकनगर जिले के चंदेरी विकासखण्ड के ग्राम नानकपुर और बालाघाट में बनाये जाएंगे। आदिम जाति कल्याण विभाग ने दतिया जिले के भांडेर विकासखण्ड के मरईमाता ग्राम नोबई, अशोकनगर जिले के अशोकनगर, गुना जिले के विकासखण्ड बम्होरी के ग्राम अकोदा, ग्वालियर जिले के घाटीगाँव और डबरा विकासखण्ड के ग्राम कोसा, मुरैना जिले के जौरा, श्योपुर जिले के विजयपुर और श्योपुर, उमरिया जिले के करकेली, अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड के ग्राम खजरवार, मण्डला जिले के मण्डला, निवास, नारायणगंज विकासखण्ड के माडोगढ़, नैनपुर, बीजाडाण्डी विकासखण्ड के ग्राम खमेरखेड़ा, मवई, घुघरी, बिछिया विकासखण्ड के नेवसा, डिण्डोरी के शाहपुरा, अमरपुर, मेहदवानी विकासखण्ड के ग्राम भलवारा, बालाघाट जिले के बैहर विकासखण्ड के आमगाँव, डिण्डोरी जिले के ग्राम कुडा, बजांग विकासखण्ड के करवेमट्ठा ग्राम शोभापुर, समनापुर विकासखण्ड के कोलारस में विकासखण्ड स्तरीय सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50-50 लाख रुपये मंजूर किये गये हैंफनिर्माण एजेंसी को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरा किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं से बच्चों में आता हैं निखारः राठखेड़ा

सिम्मी राठौर ने जीता प्रथम पुरूस्कार

शिवपुरी (ब्यूरो)। शिक्षा के स्तर को बढ़ाने की दृष्टि पीताम्बर क्लासेस द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन 24 मार्च 2019 को किया गया था। जिसका समापन विजेता छात्र एवं छात्राओं को पुरूस्कार वितरण शिवपुरी होटल में किया गया। इस अवसर पर पोहरी विधायक सुरेश राठखेड़ाए बीआरसी अंगद सिंह तोमरए राजेन्द्र पिपलौदाए आयोजक श्रीनिवास धाकड़ए नरेश धाकड़ के साथ अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पीताम्बरा कोचिंग सेंटर द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार 11000 रूपए सिम्मी राठौर कन्या विद्यालय आदर्श नगर शिवपुरी ए द्वितीय पुरूस्कार देवेन्द्र रावत 5 हजार रूपए उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 तथा तृतीय पुरूस्कार 2500 रूपए सानिया खांन कन्या विद्यालय आदर्शनगर को मुख्य अतिथि प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पोहरी विधायक सुरेश राठखेड़ा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के छात्र कल का भविष्य हैं। ज्ञानवर्धक प्रतियोगिओं से बच्चों की शिक्षा प्रतियोगिताओं से जहां छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहन मिलता हैं। वहीं उनकी शिक्षा में भी निखार आता हैं। इस अवसर पर मंचासीन मण्प्रण् कर्मचारी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पिपलौदा ने भी छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा हैं कि प्रतियोगिता में भाग लेने छात्राओं की वौद्धिक क्षमता बढ़ती हैं साथ ही आयोजक द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र एवं छात्राओं को दी जाने वाली पुरूस्कार स्वरूप धनराशि से ही मनोबल बढ़ता हैं। में निखार आता हैं। इसलिए सभी छात्र व छात्राओं से अपील करता हूं कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भाग लेने का प्रयास करें। जिससे आप लोगों के ज्ञान में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होगी जो आपके भविष्य में काम ही आएगी। बीआरसी अंगद सिंह तोमर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पीताम्बर कोचिंग सेंटर द्वारा आयोजित प्रतियोगिता निश्चित रूप से एक सराहनीय कदम हैं। ऐसी

लिटिल एंजिल स्कूल में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

शिवपुरी-लिटिल एंजिल स्कूल पुरानी शिवपुरी में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्नेह सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अध्यात्म गुरु डॉण्दिनेश श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ कांग्रेसी केशव सिंह तोमर तथा विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार मोहिते उपस्थित हुए। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां प्रस्तुति शिवानी डांडे ने अपने नृत्य से अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। वहीं आध्यात्मिक गुरू डॉ दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय परिवार सतत प्रगति करें और विद्यालय से निकलकर बच्चे देश के अच्छे भावी नागरिक बने उच्च पदों पर आसीन हो व अपने विद्यालय का, परिवार का, क्षेत्र का नाम रोशन करें यह उन्होंने शुभकामनाएं दी। केशव सिंह तोमर ने विद्यालय के संचालक रवि कुलश्रेष्ठ-पूनम कुलश्रेष्ठ एवं समस्त स्टाफ को अच्छी-अच्छी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत करने के लिए बधाइयां दी।

स्कूली छात्रों ने भ्रमण में देखा ग्रीन हाउस प्रभाव तो किले में निहारा इतिहास

शिवपुरी। आसपास की खोज कार्यक्रम के अन्तर्गत शासकीय एकीकृत आदर्श नगर मावि के छात्र छात्राओं का दल शनिवार को एतिहासिक स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण पर गया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने शिवपुरी के आसपास के स्थलों के अलावा शासकीय नर्सरी जंघारए चंदेरी किलाए कौशक महलए आनंदपुर आदि स्थलों का भ्रमण कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा संरक्षित धरोहरों को नजदीक से देखा और विविध जानकारियों से यह दल अवगत हुआ। विद्यालय के इस शैक्षिणिक भ्रमण में विद्यालय के 55 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दल ने ईसागढ़ में स्थित शिमला में जहां वानस्पतिक विविधता को नजदीक से परखा वहीं आनंदपुर के प्रबंधन से यह दल अवगत हुआ। स्कूली बच्चों को जंघार नर्सरी में ग्रीन हाउस प्रभाव के बारे में शिक्षकों ने रोचक जानकारी दी और यहां फसल चक्रण के साथ साथ फलों की खेती के तरीके से भी परिचित कराया गया। भ्रमण दल का रोमांच उस समय देखने काबिल था जब इस दल के सदस्यों ने चंदेरी के शिल्प और वहां के एतिहासिक स्थल चंदेरी किलाए किला कोठीए एएसआई के संग्रहालयए और कौशक महल को देखा जागेश्वरी माता पहाड़ी पर भ्रमण दल के बच्चों ने ढोल की बीट पर चंदेरी के लोक नृत्य का आनंद भी लिया।

अवैध कॉलोनियों का कारोबार चरम पर, नहीं हो रही कोई कार्यवाही ?

रेलवे क्रॉसिंग से लेकर फोर लाईन तक कट रही हैं अवैध कॉलोनियों

शिवपुरी ब्यूरो। प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने माफिया राज खत्म करने के लिए अभियान चलाया था लेकिन शिवपुरी जिले में अधिकारियों की मिली भगत के कारण गरीबों के दर्जनों मकानों को तो ध्वस्त कर दिया गया लेकिन एक भी भू माफिया के विरूद्ध कार्यवाही नहीं की गई। भू माफिया व शासकीय कर्मचारियों के आपसी तालमेल के चलते गरीबों के खून पसीने की गाड़ी कमाई को भू माफिया द्वारा जमकर लूटा जा रहा हैं। वहीं भूमि के इस अवैध करोबार में संलिप्त किसी भी शासकीय कर्मचारी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई। जबकि बिना किसी शासकीय कर्मचारियों के सहयोग के जमीनों का अवैध करोबार होना संभव ही नहीं हैं। शिवपुरी में अवैध कॉलोनी काटने का काम भूमाफिया ही अकेले नहीं कर रहे हैं। बल्कि इनके साथ पटवारी और राजस्व विभाग के अधिकारी भी साईलेंट पार्टनर बन कर यह धंधा करने में सलिंप्त हैं। शहर के पोहरी चौराहे से आगे रेल पटरी से सिंहनिवास गांव तक अवैध कॉलोनी काटने का काम शिवपुरी तहसील में पदस्थ अफसरों की मिलीभगत से हो रहा है। सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि यहां पर शहर के दो डॉक्टर भूमाफियाओं के साथ पार्टनरशिप में यह काम चल रहा है। खुलेआम रोड डालकर अवैध कॉलोनी काटी जा रही है। बताया जाता है कि इस काम में शहर का एक डॉक्टर इस काम में अपनी योजना अनुसार बड़े लोगों को पार्टनर बनाता है और इस वक्त रेल पटरी से सिंहनिवास गांव तक करीब अनेकों अवैध कॉलोनी कट रही हैं इसमें राजस्व विभाग के दो अधिकारी ही पार्टनर बतौर काम कर रहे हैं। इसलिए इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उसमें किसी भी तरह की व्यावसायिक गतिविधियां नहीं हो सकती। जबकि सिंहनिवास में सक्रिय भू-माफिया यहां राजस्व ग्रामों की कृषि भूमि पर बिना भू रूपान्तरण एवं ले-आउट मानचित्र अनुमोदित कराए कृषि भूखंडों बेच दिए। शिपवुरी से पोहरी रोड पर सिंहनिवास, दर्रोनी रोड़, रेलवे स्टेशन के पास, सेन्टचार्ज स्कूल, रातौर रोड़, मनियर, रायचन्द्र खेड़ी रोड के पास हजारों बीघा भूमि पर सैकड़ों अवैध कॉलोनियां बसाई जा चुकी है। इन कॉलोनियों में थोक के भाव भूखण्ड बेचने का धंधा भी बड़े पैमान पर चल रहा है। रेलवे पटरी से आगे सिंहनिवास गांव के आसपास मेन रोड से अंदर और बाहर एक डॉक्टर, कांग्रेसी कर्मचारी नेता, राठौर समाज का रसद माफिया दर्रोनी रोड़ पर एक आलीशान कॉलोनी काटने के बाद दूसरी कॉलोनी काटने की तैयारी में हैं, तो कुछ पटवारी व दो राजस्व अधिकारियों को पार्टनर बनाकर यहां पर जमीन ली और 100 रुपए फिट से भी कम इनको पड़ी है लेकिन अब यह मासूम लोगों को 800 रुपए फिट में यह जमीन अवैध कॉलोनी बनाकर दे रहे हैं।

माधव नेशन पार्क से हाईवे पर पहुंचे तेंदुए की कुचलकर मौत

शिवपुरी ब्यूरो। कल शाम माधव राष्ट्रीय उद्यान से हाईवे को पार कर रहे एक तेंदुए की सड़क दुर्घटना में कुचलकर मौत हो गई। उसका शव नेशनल हाईवे क्रमांक 3 पर सड़क किनारे पड़ा पाया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। नेशनल पार्क से गुजरते हाईवे पर आने के कारण कई जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। वन विभाग से जुडे सूत्रों ने बताया कि कल शाम साढ़े 5 बजे खूबत घाटी पर एक दो वर्षीय तेंदुए की लाश पड़ी मिली। वन परिक्षेत्र की सीमा से कई बार वन्य प्राणी सड़क पर आ जाते हैं। अभी तक पार्क से हाईवे पर आने के कारण चार तेंदुओं की दुर्घटना में मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई नीलगाय, सियार और चीतल भी दुर्घटना की चपेट में आ चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

कलयुगी पुत्र ने की पिता की मारपीट

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के अटेर कस्बा में एक कलयुगी पुत्र ने अपने पिता को गालियां दी, मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मां की शिकायत पर आरोपी पुत्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार नारायणी देवी पत्नी ऊदल सिंह यादव उम्र करीब 70 साल, निवासी अटेर ने थाना पुलिस को बताया कि वह और उसके पति वृद्ध हैं। उसका पुत्र भिखारी आए दिन हम लोगों को परेशान करता रहता है। मंगलवार की शाम उसने अपने वृद्ध पिता ऊदल सिंह यादव उम्र करीब 73 साल की मारपीट की और गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। थाना पुलिस ने मां की रिपोर्ट पर आरोपी पुत्र के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच, जान से मारने की धमकी के मामले में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

घर में घुसकर मारपीट, मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। शहर के हाउसिंग कॉलोनी स्थित एक घर में घुसकर पास ही रहने वाले तीन लोगों ने एक युवक एवं उसकी मां के साथ मारपीट की। पुलिस ने एक नामजद एवं दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार विशाल उर्फ अभिषेक सिंह पुत्र सूरज सिंह तोमर निवासी रामचरन की बगिया, गौरी रोड, हाउसिंग कॉलोनी भिण्ड ने शहर कोतवाली पुलिस को बताया कि रामचरन की बगिया के ही निवासी आशीष उर्फ नीतू यादव एवं दो अन्य लोगों ने उसके घर में घुसकर मारपीट कर गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। जब उसकी मां बीच-बचाव के लिए आई तो उसमें से एक ने दांतों से मां की अंगुली काट ली। कोतवाली पुलिस ने एक नामजद एवं दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भादवि की धारा 452, 324, 323, 294, 506, 34 के तहत अपराध क्रमांक 66/2020 दर्ज कर लिया है।

2250 की शराब सहित महिला दबोची

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के पावई थाना पुलिस ने 2250 रुपए की शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार पावई पुलिस को मंगलवार की शाम जरिए मुखबिर सूचना मिली कि पावई में एक महिला अपने घर के पास अवैध रूप से शराब का बिक्रय कर रही है। तभी मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी गुड्डी देवी पत्नी राजेन्द्र गुर्जर निवासी पावई को उसके घर के पास छप्पर में रखी देशी शराब के 45 क्वार्टर जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पकडी गई शराब की कीमत 2250 रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी महिला के विरुद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

महिला सहित चार लोगों ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

दतिया। थाना सेंवढ़ा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक चार सोनी मोहल्ला में एक अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के सेंवढ़ा चुंगी के पास रहनेवाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना पंडोखर क्षेत्र के ग्राम धौंड़ में भी एक अधेड़ ने फांसी लगाकर जान दे दी। इसी प्रकार थाना सरसई क्षेत्र के ग्राम धमना में एक तीस वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरु की है। जानकारी के अनुसार कस्बा सेंवढ़ा के वार्ड क्रमांक चार सोनी मोहल्ला में मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात प्रमोद (45) पुत्र जगदीश प्रसाद सोनी ने अज्ञात कारणों के चलते अपने कमरे में फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सेंवढ़ा चुंगी के ऊपर रहनेवाले अशोक (30) पुत्र दयाराम साहू ने तीन-चार जनवरी की दरम्यानी रात छत के कुंदा से फंदा बांधकर आत्महत्या कर ली। थाना पंडोखर क्षेत्र के ग्राम धौंड़ में सोमवार की रात ग्यारह बजे होतम सिंह (45) पुत्र श्रीलाल परिहार ने बबूल के पेड़ से लटककर अपनी जान दे दी। मृतक शराब पीने का आदी था। इसी प्रकार थाना सरसई क्षेत्र के ग्राम धमना में गत 28 अगस्त की देर रात रजनी (30) पत्नि आनंद यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग दर्ज कर प्रकरणों की जांच शुरु की है।

दहेज में एक लाख न देने पर विवाहिता से मारपीट, मामला दर्ज

दतिया। थाना कोतवाली में छोटा बाजार निवासी एक विवाहित महिला से उसकी ससुराल वालों ने दहेज में एक लाख रुपये मांगे। जब उसने रुपये देने में असमर्थता जताई तो उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने विवाहिता की रिपोर्ट पर उसके ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज के लिये प्रताडित करने का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार छोटा बाजार निवासी साधना पाठक (25) ने रिपोर्ट कर बताया कि उसका विवाह करगुवां जी मेडीकल कॉलेज झांसी में रहनेवाले मनीष पाठक के साथ हुआ है। गत 23 जून 2018 से आज तक उसके पति सहित ससुराल के अन्य लोगों द्वारा दहेज में एक लाख रुपये लाने की मांग की जा रही है। जब उसने पैसे देने में असमर्थता जताई तो ससुराल के लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उसे प्रताडित किया। साधना की रिपोर्ट पर पुलिस ने उसके पति मनीष पाठक सहित ससुर सत्यप्रकाश पाठक तथा जेठ प्रदीप पाठक के खिलाफ दहेज प्रताडना का मामला दर्ज कर लिया है।

युवती और महिला से छेड़छाड़ कर मारपीट की

दतिया। थाना गोंदन क्षेत्र के ग्राम भलका में एक युवक ने गांव में जा रही एक उन्नीस साल की युवती के साथ छेड़छाड़ कर दी। विरोध करने आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। घटना 24 जनवरी की रात की बताई गई है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम भलका निवासी एक उन्नीस साल की युवती गत 24 जनवरी की रात आठ बजे गांव में जमुनाप्रसाद जाटव के मकान के सामने से जा रही थी तभी युवती के सजातीय मंगल पुत्र डमरू जाटव निवासी भलका ने उसके साथ छेड़छाड़ की। युवती द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी तथा मौके से भाग निकला। वहीं थाना बड़ौनी क्षेत्र के ग्राम पिरसूरा में मंगलवार की शाम करीब सवा पांच बजे एक बीस वर्षीय विवाहित महिला के साथ उसके ही गांव के अंशुल पटेल ने छेड़छाड़ की।

ऊमरी पुलिस ने पकड़ा दस हजार रूपये का ईनामी बदमाश

भिण्ड,ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक रूडोल्प अल्वारेस के दिशा निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार कंचन के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत ऊमरी पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाकर आरोपी को पकड़ लिया है।

बुधवार को पुलिस कन्ट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक रूडोल्प अल्वारेस के द्वारा पत्रकारों को बताया कि विगत दिनांक 24 दिसम्बर 2012 को फरियादी महेश सिंह पुत्र नाथू सिंह यादव उम्र 48 वर्ष निवासी मोतीपुरा ने लिखित शिकायती आवेदन दिया जिसमें बताया कि मेरे चाचा पदम सिंह उर्फ गोरे पुत्र सूरजपाल सिंह यादव को अज्ञात आरोपी के द्वारा विगत दिन 23 दिसम्बर को निर्मम हत्या कर फरार हो गया। ऊमरी पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँचकर बारीकी से तलाश की लेकिन आरोपी कोई भी पुख्ता सबूत घटनास्थल पर नहीं छोड़ गया था, इसलिए पुलिस के लिए यह गुत्थी बड़ी कठिन हो रही थी, लेकिन दिये गये आवेदन में फरियादी ने बताया कि मृतक पुरानी टी.वी. लेने भिण्ड गये थे, उसको लेकर ऑटो में रखकर पवन की दुकान में उतारने की बोल दिया था, और टीवी को किसी किसी व्यक्ति से मोटरसायकिल पर पकड़ने के लिए बुलाया था। सुबह जब ट्यूबैल पर आये तो कमरे का गेट खुला था अंदर मृतक

चाचा मृत अवस्था में पड़े थे, उनकी मृत्यु किसी धारधार हथियार से की गई है, इधर इसकी सूचना तत्काल अन्य परिवारीजनों व पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 302 का मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी थी। पुलिस अधीक्षक के द्वारा आरोपी के विरूद्ध दस हजार रूपये का ईनाम घोषत किया गया था। ऊमरी पुलिस इस अंधी गुत्थी को सुलझाने के लिए हर गुप्तचर को सक्रिय किया, तभी विवेचना में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को उठाकर उनसे पूछताछ की और सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले। पता चला कि मृतक के साथ टी.वी. ले जाने वाले पर शक हुआ, आखिरकार ऊमरी पुलिस आरोपी के गिरेवान तक पहुँच ही गई और सारा कारनामा आरोपी अशगर खान पुत्र तुल्लन खान निवासी ऊमरी ने स्वीकार कर लिया।

आरोपी अशगर खान ने पुलिस को बताया कि मैं पैसे में मजदूरी का काम करता हूँ, मैंने मृतक गोरे के यहाँ भी मजदूरी की, मृतक गोरे से कुछ पैसे भी हमनें उधार लिये थे, मृतक के साथ मेरा बैठना उठना काफी बढ़ गया एवं घर पर आना जाना प्रारम्भ हो गया, मेरे घर पर न होते हुए भी मृतक मेरे घर पर आकर मेरी पत्नी से मिलने लगा इसकी सूचना मुझे लगने लगी और दिन मैंने अपनी आँखों के सामने डुपट्टी खींच रहा था तब मुझे यकीन हो गया कि मृतक मेरी पत्नी से अवैध संबंध बनाये हुये हैं, उसी दिन से मेरी मृतक के खिलाफ नफरत होने लगी, और मौका मिल ही गया मृतक मुझे घर से बुलाने आया कि पवन यादव की दुकान पर टीवी रखी हुई है उसको ट्यूबैल पर लेकर चलना है, वहीं लगायेंगें, हम लोग टीवी को लेकर ट्यूवैल पर पहुँचे तथा वहाँ शराब पी जैसे ही मृतक गौरे को नशा हुआ वह खटिया पर लेट गया, मैंने पास में रखी लोहे की छड़ को उठाकर उसके सिर में मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आरोपी अशगर मृतक गोर के गले में पड़ी सोने की चैन तथा आधार कार्ड 560 रूपये नगदी लेकर भाग गया। सोने की चैन को आरोपी ने मालनपुर में अंकित ज्वैलर्स प्रोपराइटर महेश पुत्र रामगोपाल सोनी उम्र 45 वर्ष निवासी मालनपुर को बेच दिया जिसके ऐवज में 11 ग्राम के ब्रजवाला बनवा लिये थे। पुलिस ने सुनार को भी पकड़कर आरोपी बनाया है। प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध धारा 394, 397, 201, 411 भादवि 11/13 एमपीडीपी एक्ट की धाराओं का इजाफा किया है। आरोपी असगर खान पुत्र तुल्लम खान तथा महेश सोनी पुत्र रामगोपाल सोनी निवासी मालनपुर को पकड़ने व उनकी गिरेवान तक पहुँचने में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र सिंह गुर्जर, उपनिरीक्षक एस.एस.चौहान, आरक्षक राहुल सिंह, नारायण सिंह, यशवेन्द्र पाल, मयंक दुबे एवं सायबर सैल से आनंद दीक्षित का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वेतन निर्धारण अनुमोदन की समय-सीमा 31 मार्च तक बढी

भिण्ड,ब्यूरो। कलेक्टर छोटेसिंह ने कहा कि समस्त कार्यालय प्रमुखों को उनके यहां पदस्थ अधिकारी/कर्मचारियों के वेतन निर्धारण हेतु कई बार लिखा जा चुका है। किन्तु आपके द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के वेतन प्रकरण अनुमोदन हेतु पेंषन कार्यालय को नहीं भिजवाए गए है, जो अत्यन्त खेदजनक है। कलेक्टर ने कहा कि वेतन निर्धारण अनुमोदन की समय-सीमा आयुक्त कोष लेखा द्वारा 31 मार्च 2020 तक बढाई गई है। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यालय प्रमुख जिनके यहां वेतन निर्धारण प्रकरण अनुमोदन हेतु लंबित है, वे 31 जनवरी 2020 तक वेतन निर्धारण प्रकरण जिला पेंषन कार्यालय भिण्ड/संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा ग्वालियर में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करें, ताकि शासनादेशों के अनुसार कर्मचारियों को उनके ऐरियर व अन्य वित्तीय लाभ समय सीमा में प्राप्त हो सके व वेतन निर्धारण का कार्य शत प्रतिशत किया जा सके निर्देशों का कढाई से पालन किया जाए।

विधायक ने किया भागवत कथा का श्रवण

मोहन मांझी रिपोर्टर

गोहद- विधानसभा क्षेत्र से चुने गए विधायक रणवीर जाटव द्वारा ग्राम खनेता पहुंचकर वहां चल रहे साकेत वासी संत श्री विजयराम दास जी महाराज की पुण्यतिथि में 22 वां वार्षिकोत्सव समारोह में पहुंचकर महामंडलेश्वर राम भूषण दास जी महाराज द्वारा कही जा रही भागवत कथा का श्रवण किया साथ ही उन्होंने आशीर्वाद भी लिया वही ग्राम कैथोदा में चल रही भागवत कथा में भी पहुंचकर कथा सुनी वही भागवत कथा में ?11000 दान स्वरूप भेंट किए साथ ही कैथौदा हनुमान मंदिर के लिए ?11000 दिए साथ ही एक चबूतरा बनाने की भी घोषणा विधायक द्वारा की गई वही बनी पुरा पहुंचकर स्वर्गीय राजीव कंसाना एडवोकेट की प्रथम पुण्यतिथि पर कंसाना परिवार द्वाराकंबल वितरण किए गए।

जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक/बौद्धिक प्रतियोगिता 6 एवं 7 फरवरी को भी

भिण्ड,ब्यूरो। जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग भिण्ड ने बताया कि जिले में अनु.जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास/ आश्रमों में प्रवेशित जूनियर 17 वर्ष से कम आयु के छात्र-छात्राओं एवं सीनियर 17 वर्ष से 20 वर्ष तक की आयु के छात्र-छात्राओं के लिए जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक/बौद्धिक प्रतियोगिताऐं 5 से 7 फरवरी 2020 को टीसीपीसी प्रांगण केन्द्रीय विद्यालय मार्ग लहार रोड भिण्ड में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता हेतु जिले में संचालित छात्रावासों को 6 जोन-भिण्ड मेहगांव, गोहद, लहार, अटेर एवं रौन में विभाजित किया गण है। प्रत्येक जोन में 09 छात्र एवं 09 छात्राऐं प्रतियोगिता में भाग ले सकेगी। क्रीडा प्रतियोगिता 06 एवं 07 फरवरी 2020 को दिन में खेलकूद तथा सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता उक्त दिनांको को ही रात्रि में आयोजित की जाएगी।

मारपीट करने वाले अभियुक्तगण को 2000 रूपये के अर्थदण्ड

भिण्ड,ब्यूरो। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भिण्ड की अदालत में मारपीट करने वाले आरोपीगण को दो हजार रुपए के अर्थदण्ड और न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई है।

जनसंपर्क अधिकारी/एडीपीओ इन्द्रेश कुमार प्रधान द्वारा बताया गया कि दिनांक 31 अक्टूबर 2016 को रामवीर तथा मुन्नी नरवरिया अपने भतीजे पर ईट फेंक रहे थे। जब ईट फरियादी मुकेश के दरवाजे पर गिरी तो उसने मुन्नी देवी से जाकर कहा कि ईट क्यो फेक रहे हो, किसी को लग जायेगी। तो इसी बात पर मुन्नीदेवी व लड़का रामवीर फरियादी को मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे। फरियादी मुकेश ने गाली देने से मना किया तो अभियुक्त रामवीर ने डण्डा मारा जो सिर में पीछे लगा एवं एक डण्डा मुन्नी ने मारा, जो सिर में आगे लगा, जिससे उसके सिर में दो जगह चोटें आये,

तो खून निकलने लगा। मौके पर फरियादी मुकेश की पत्नी रेनू एवं उसके पिता जगदीश एवं नरेन्द्र धानुक आ गये, जिसने बीच-बचाव किया। फिर अभियुक्तगण ने बोला कि इस बार तो बचा लिया आइंदा मुंह चलाया तो जान से खत्म कर देगे। फरियादी ने थाना देहात में अपराध की रिपोर्ट की जिस पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण को विवेचना में लिया गया। विवेचना पूर्ण होने के पश्चात पुलिस थाना देहात द्वारा न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय द्वारा विचारण पश्चात अभियुक्तगण अभियुक्त मुन्नी सिंह पुत्री स्व. जगन्नाथ सिंह उम्र 55 वर्ष, रामवीर सिंह पुत्र मुन्नी सिंह उम्र 30 वर्ष को धारा 323 भादवि में 1000-1000 रूपये का अर्थदण्ड व न्यायालय उठने तक की सजा से दण्डित किया गया।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का दूसरा दिन

शासन एवं प्रशासन के लोगों ने नहीं ली छात्रों की सुध

दतिया (ब्यूरो)। छात्र दूसरे दिन भी बैठे रहे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन पर लेकिन शासन प्रशासन का कोई भी अधिकारी नहीं आया। पर छात्र नेता लोकेंद्र नेताजी ने कहा कि हम झुकने वाले नहीं हैं हमारी मांगे जब तक पूरी नहीं हो जाती जब तक हमारी भूख हड़ताल जारी रहेगी इस भूख हड़ताल में उपस्थित हुए भीम आर्मी जिला अध्यक्ष सोनू गौतम ने कहा प्रशासन छात्रों की मांगों को लेकर एक्शन नहीं लेता है तो भीम आर्मी एक बड़ा आंदोलन करेगी आने वाले समय में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में उपस्थित हे छात्र नेता धीरेन्द्र अहिरवार,आर्दश गौतम, गौरी शंकर कुमार, पराग गुर्जर, अनिल कुमार भैया,प्रतिभा सिंह अरविंद बौद्ध, कमल किशोर, शेखर कुशवाहा अंकित रजक,

जीतेंद्र सर, संजीव जाटव, पालिया, हरिमोन छावड़ा, दीपक लोधी, पवन जाटव, संजू पाचांल, दीपक खान, आन्नद पटवा, दयाल पटवा, सोहन सिंह चाचा जी, विकास प्रजापति, पवन गुरु, शिवकुमार परासरी, सत्येंद्र जाटव, अरविंद अस्टौट, विजय पाराशर, बबेन्द्र गौतम, लोकेन्द्र बौद्ध, विवेक कोली उदयभान सिंह, अनिल अहिरवार सनाई संदीप रिछारिया सचिन गौतम आदि छात्र छात्राएं उपस्थित है।

अधिवक्ताओं ने शालनी रावत के इलाज के लिए दी आर्थिक सहायता

दतिया। रावतपुरा कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा तपस्या राजपूत एवं शालनी रावत का एनएच.75 हाइवे पर एक ट्रक चालाक की लापरवाही से हुए एक्सीडेन्ट हुआ था। जिसमें घटना स्थल पर ही तपस्या राजपूत की मृत्यु हो गई थी और शालनी रावत गंभीर रूप से घायल होकर झांसी मेडीकल कॉलेज में भर्ती होकर इलाज चल रहा है। शालनी रावत का परिवार आर्थिक स्थिति से कमजोर है। जिन्हें इलाज कराने में भी काफी परेशानी हो रही थी। जिस लेकर दतिया अधिवक्ताओं द्वारा शालिनी रावत की आर्थिक मदद करने का पीड़ा उठाया है। जिसमें दतिया बार कार्यकारिणी के सदस्य नीरज श्रीवास्तव एवं शिवकुमार राय ने उठाया और इसकी शुरूआत किला चौक से की इस मुहिम में उनका साथ वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सरवरिया, विवेक ढ़ेगुला, नीरज तिवारी, अनुज बुन्देला, अरूण अहिरवार, नवल पाल, संजय वर्मा एवं राधिकाशरण शुक्ला ने सहयोग किया।

नपं अकोड़ा में स्वच्छता से संबंधित फिल्म वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रदीप राजावत ब्यूरो चीफ

भिण्ड-अकोड़ा नगर परिषद क्षेत्र को साफ व स्वच्छ रखने के लिए नगर परिषद के अधिकारी व कर्मचारी जुटे हुए हैं। वहीं लोगों से डोर टू डोर संपर्क कर स्वच्छता के प्रति संदेश दिया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित स्वच्छता की सवारी रथ द्वारा अकोड़ा नगर परिषद उपयंत्री सुरेंद्र सिंह कुशवाह के निर्देशन में नगर के विभिन्न चौराहों पर स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित फिल्म का प्रदर्शन स्वच्छता की सवारी रथ द्वारा किया गया। इस दौरान स्वच्छता का संदेश लेकर आए रथ को नगर परिषद सीएमओ राजभान सिंह भदोरिया के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वही इस दौरान शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल एवं मिडिल स्कूलों में भी बच्चों को प्लास्टिक से मुक्त कैसे होते हैं इसकी फिल्म का प्रदर्शन दिखाते हुए बच्चों को जागरूक करवाया गया , साथी स्कूल शिक्षक ने रथ की फिल्म के बाद बच्चों को स्वच्छता की जानकारी दी। इस अवसर पर नगर परिषद अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अगोड़ा वासी मौजूद रहे।

सीईओ ने बच्चों की संख्या बढ़ाने प्राचार्य को दिए निर्देश - गुर्जर

भांडेर। बोर्ड एग्जाम कब हो रहे हैं, इस बात को महत्व नहीं देना चाहिए, क्योंकि एग्जाम हर साल आते हैं. 10 दिन पहले आएं, 10 दिन बाद आएं, इससे फर्क नहीं पड़ता है. बच्चों को डेट्स के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। एग्जाम कब होते हैं, एग्जाम में क्या सवाल पूछे जाते हैं, एग्जाम देने के बाद क्या रिजल्ट आता है, ये तीनों चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, जो चीज हमारे नियंत्रण में न हो, हमें उस बारे में नहीं सोचना चाहिए. आपने साल भर जो मेहनत की है, उसके साथ आत्मविश्वास जगाएं, अभी भी परीक्षा में काफी समय है यह बात जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर ने प्रोजेक्ट आकांक्षा 2020 के तहत शासकीय कन्या उ. मा. विद्यालय भांडेर एवं सरसई के विद्यालय में छात्राओं को परीक्षा सम्बन्धी टिप्स बताते हुए कही। इस दौरान जनपद सीईओ गुर्जर द्वारा विद्यालय में छात्राओं की संख्या पर नाराजगी व्यक्त की और प्राचार्य को छात्राओं की संख्या बढाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राचार्य संतोष अग्रवाल, रमाशंकर निरंजन, अमर सिंह परिहार, भरतदेव श्रीवास्तव, रामकुमार त्रिपाठी, राघवेन्द्र निरंजन, घनश्याम पाल, दीप्ति सक्सेना, राममनोहर बुधोलिया, बलराम पाल, चन्द्रकुमारी गुप्ता, रूचि सक्सेना सहित छात्राएँ उपस्थित रहीं।

विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष में हस्ताक्षर अभियान सम्पन्न

दतिया (ब्यूरो)। इंडियन मेडीकल एसोसिएशन दतिया, मध्यप्रदेश वॉलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन एवं स्वदेश ग्रामोत्थान समिति दतिया के संयुक्त तत्वावधान में विश्व कैंसर सप्ताह के उपलक्ष में लाड़ो रतन भवन के सभागार में कैंसर जागरूकता टॉक-शो व हस्ताक्षर अभियान आयोजन किया गया। डॉ. राजेश, डॉ. अमिता शर्मा, डॉ. सी.पी. अवस्थी कैंसर विशेषज्ञ मेडीकल कॉलेज, डॉ. हेमन्त जैन, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. मुकेश सिंह राजपूत ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. राजेश गुप्ता ने चर्चा के दौरान कहा कि कैंसर अब ला-इलाज नहीं बशर्ते समय रहते पहचान व समुचित उपचार किया जा सके। उन्होंने हमें स्वस्थ्य रहने के लिए विभिन्न प्रकार के रेडिएशन से दूर रहने की सलाह बताई। कायर्क्रम के संयोजक डॉ. हेमन्त जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि समुदाय में जागरूकता लाने के लिए हम सबको प्रयास करने की आवश्यकता है। डॉ. लक्ष्मण सिंह ने मुँह के कैंसर रोग से बचने के लिए नियमित दांतो की जाँच करने के साथ ही मुँह से दुर्गंध आने पर, मुँह के अन्दर घाव होने पर, सफेद

चकत्ते होने पर अविलंब जाँच व उपचार करने की आवश्यकता है। डॉ. विजय चौधरी ने कहा कि शरीर की कोई भी कोशिका अपना निर्धारित कार्य करना बंद करदे तो कैन्सर बन जाता है। हमें बिना देर किए जाँच करना चाहिए। इस अवसर पर रामजीशरण राय, रोहित गुप्ता, अशोक कुमार शाक्य, पवन सिजरिया, महेन्द्र पाठक, अल्पना पुरोहित, वीरेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहकर अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रामजीशरण राय ने करते हुए समुदाय में व्यापक जागरूकता लाने की आवश्यकता पर जोर दिया साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर तम्बाकू से बने पदार्थों का सेवन न करने का आव्हान किया साथ ही अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। आभार व्यक्त सरदार सिंह गुर्जर ने किया।

संपादकीय

नकारात्मकता का प्रदर्शन

बजट के बाद जब यह अपेक्षा की जा रही थी कि संसद में राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों पर कोई धीर-गंभीर चर्चा होगी, तब ऐसा कुछ नहीं हुआ। गत दिवस लोकसभा में नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को लेकर हंगामा होता रहा, तो राज्यसभा में इसी कानून को लेकर इतना शोर-शराबा हुआ कि वहां कोई कामकाज ही नहीं हो सका। राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए इसलिए स्थगित करनी पड़ी, क्योंकि विपक्ष ने राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करने के बजाय दूसरे विषयों पर बहस की जिद पकड़ ली। राज्यसभा में विपक्ष का यह व्यवहार नया नहीं है। उसके इसी व्यवहार के कारण यह धारणा पुष्ट होती जा रही है कि अब लोकसभा से ज्यादा हंगामा राज्यसभा में होता है। इससे इनकार नहीं कि सीएए पर विपक्ष को गहरी आपत्ति है, लेकिन इसमें संदेह है कि वह अपनी आपत्ति दर्ज कराने को लेकर गंभीर है। इसका प्रमाण यह है कि वह सीएए के साथ ही राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर यानी एनपीआर पर भी आपत्तियां दर्ज करा रहा है। वह ऐसा तब कर रहा है, जब दस साल पहले एनपीआर की कवायद की जा चुकी है। आखिर जो काम पहले भी हो चुका है, उसे लेकर सवाल खड़े करने का क्या मतलब? विपक्ष के रवैये से यह बिल्कुल साफ है कि उसका मकसद सिर्फ हंगामा खड़ा करना ही है। इसीलिए उसकी ओर से हर संभव तरीके से दुष्प्रचार का सहारा लिया जा रहा है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि ऐसा इसीलिए किया जा रहा है, ताकि शाहीन बाग जैसे धरनों को खाद-पानी मिलता रहे। राजधानी दिल्ली में यह धरना एक ऐसी सड़क पर कब्जा करके दिया जा रहा है, जिसके बाधित होने से लाखों लोगों को परेशानी हो रही है। विपक्ष इससे परिचित है, लेकिन पता नहीं क्यों वह आम जनता की इस परेशानी में ही अपनी जीत देख रहा है? यह विचित्र है कि विपक्षी दल एक ओर यह चाह रहे हैं कि संसद में सीएए पर फिर बहस हो और दूसरी ओर उनकी ओर से इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई है। क्या यह उचित नहीं होगा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा की जाए? आखिर जो मसला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है, उस पर संसद में बहस करने का क्या मतलब? यह भी ध्यान रहे कि सीएए के खिलाफ एक बड़ी संख्या में याचिकाएं विपक्षी दलों की ओर से ही दायर की गई हैं। बेहतर होगा विपक्ष इस पर गौर करे कि सीएए पर उसने जैसा नकारात्मक रवैया अपना लिया है, वह केवल लोगों को भ्रमित करने वाला ही नहीं, बल्कि शासन करने के अधिकार को बाधित करने वाला भी है।

गोली की भाषा

यह विडंबना ही है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोट जुटाने की कवायद में जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह पूरे देश के मिजाज को प्रभावित करती नजर आ रही है। एक केंद्रीय मंत्री के गोली मारोज के कथित नारे के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया और शाहीन बाग आंदोलन स्थल पर हुई फायरिंग को जोड़कर देखा जा रहा है। फायरिंग करने वाले न तो अपराधी थे और न इस तरह का उनका कोई रिकॉर्ड ही था। यह एक भावावेश में उठाया गया कदम ही कहा जायेगा। हमारे सत्ताधीशों को इस बात का अहसास होना चाहिए कि सार्वजनिक मंच से कही गई उनकी बात के गहरे निहितार्थ?होते हैं। भले ही राजनेता राजनीतिक स्वार्थों के लिये ऐसे भड़काने वाले बयान देते हैं, लेकिन उनके समर्थकों का धैर्य ऐसे बयानों से चूकता है। उसकी परिणति दिल्ली की गोलीबारी की दो घटनाओं के रूप में देख सकते हैं। इस मामले में चुनाव आयोग की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उसकी तरफ से ऐसा कोई सख्त फैसला सामने नहीं आया जो सारे देश में भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं के खिलाफ नजीर बन सके। यहां सवाल पुलिस की भूमिका को लेकर भी उठ रहा है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के जुलूस तथा शाहीन बाग धरना स्थल के पास भारी संख्या में पुलिस बल होने के बावजूद अभियुक्तों ने फायरिंग कैसे की। निस्संदेह पुलिस ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव महसूस करती है। मगर कानून व्यवस्था बनाये रखना भी तो पुलिस का ही दायित्व है। शाहीन बाग वाली घटना के बारे में कहा जा रहा है कि गोली चलाने वाला युवक दूध का काम करता है और लंबे समय से चले आ रहे धरने से उसका कारोबार ठप हो रहा था। निस्संदेह लंबे समय से चल रहे आंदोलन से स्थानीय लोगों, कारोबारियों और राहगीरों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।?इस बारे में आंदोलनकारियों और सरकार को सोचना चाहिए।राजनेताओं को भी सोचना चाहिए कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की जिस कंटीली राह पर वे चल रहे हैं, उसके परिणाम पूरे देश को भुगतने पड़ सकते हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक को ही लें तो सत्ता पक्ष जहां बहुसंख्यक समाज को संतुष्ट करने की कोशिश में है, वहीं विपक्ष अल्पसंख्यकों को डराने में लगा है। इसके बारे में तमाम भ्रामक प्रचार करके लोगों को मरने-मारने के लिये उकसाया जा रहा है। निस्संदेह एक स्वस्थ समाज व लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसक प्रतिरोध की कोई गुंजाइश नहीं हो सकती। लेकिन उत्तर प्रदेश समेत देश?के कई राज्यों में जिस तरह के हिंसक प्रदर्शन व आगजनी की घटनाएं हुई हैं, उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है।

उच्च सदनों की उपयोगिता का प्रश्न

- हृदयनारायण दीक्षित

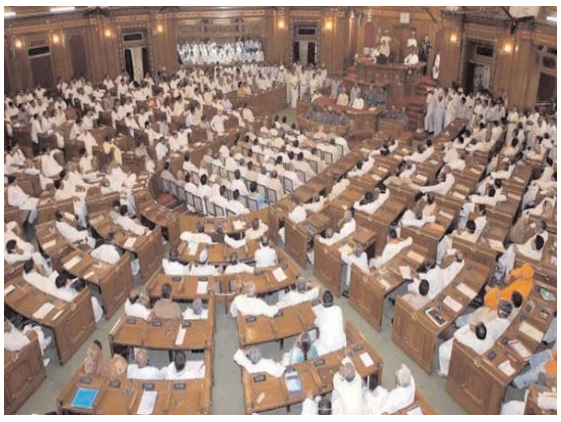

लोकतंत्र भारत के लोगों की जीवन-संस्कृति है। संविधान निर्माताओं ने गहन विचार-विमर्श के बाद संसदीय लोकतंत्र अपनाया था। संविधान की उद्देशिका में शासन व्यवस्था का शक्ति स्रोत %हम भारत के लोग हैं। हम भारत के लोग अपनी प्रभुता का प्रयोग जनप्रतिनिधियों के माध्यम से करते हैं। इसके लिए यहां केंद्र में संवैधानिक जनप्रतिनिधि संस्था संसद है और राज्यों में विधान मंडल। संसद द्विसदनीय है। लोकसभा आमजनों से निर्वाचित सदन है और राज्यसभा राज्य विधानसभा के सदस्यों द्वारा निर्वाचित संस्था है।

संविधान सभा में कुछ सदस्य एक ही सदन के पक्ष में थे। वे दूसरे सदन को अनावश्यक मानते थे, लेकिन संघीय ढांचे के अनुरूप राज्यसभा को राज्यों की प्रतिनिधि संस्था के रूप में जरूरी माना गया। धन और वित्त विधेयक से भिन्न् शेष सभी मामलों में दोनों सदनों के अधिकार लगभग एक जैसे हैं, लेकिन राज्यों में उच्च सदन या विधान परिषद की हैसियत प्रायः हास्यास्पद है। राज्य विधान परिषदों का जन्म, जीवन और मृत्यु विधानसभा की कृपा पर है। आंध्र प्रदेश में विधान परिषद की समाप्ति का प्रस्ताव पिछले सप्ताह ही पारित हुआ। उधर ओडिशा सरकार विधान परिषद बनाने की तैयारी कर रही है। ऐसे में स्वाभाविक ही विधान परिषदों के औचित्य को लेकर बहस चल पड़ी है।

विधान परिषद का गठन संवैधानिक बाध्यता नहीं है। संविधान सभा ने इसे विधानसभा के विवेक पर छोड़ दिया था। संविधान (अनु.169) में कहा गया है कि विधानसभा के कुल सदस्यों के बहुमत और उपस्थित सदस्यों की दो तिहाई संख्या द्वारा पारित संकल्प पर संसद विधि द्वारा विधान परिषद का गठन या समापन करेगी। आंध्र प्रदेश का उदाहरण दिलचस्प है। ऐसे ही प्रस्ताव द्वारा 1958 में आंध्र विधान परिषद बनी थी। ऐसे ही प्रस्ताव द्वारा 1985 में समाप्त कर दी गई। 2007 में फिर बनाई गई। पिछले सप्ताह इसकी समाप्ति का प्रस्ताव फिर से आया। पंजाब की विधान परिषद 1970 में समाप्त की गई थी। तमिलनाडु विधान परिषद भी 1986 में समाप्त की गई थी। अब 2010 में पारित तमिलनाडु विधान परिषद अधिनियम के अमल का इंतजार है। ओडिशा, असम और राजस्थान भी प्रतीक्षा में हैं। विधान परिषदें उच्च सदन कही जाती हैं, लेकिन इनके गठन और समापन में अराजकता है। वे राज्यों में सत्तासीन दलों की मर्जी पर हैं। बावजूद इसके इनकी उपयोगिता और औचित्य पर पीछे 70 साल से कोई बहस नहीं हुई। द्विसदन बनाम एक सदन की बहस पुरानी है। दो सदनों के पक्षधरों के तर्क है कि जनता से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर निर्वाचकों का दबाव होता है। जनता तत्काल परिणाम चाहती है। इसलिए विधेयकों पर शांत चित्त विचार का अवसर नहीं होता। वे ऐसे विधायन को जल्दबाजी और व्यग्रता में किया गया काम बताते हैं। उनकी मानें तो दूसरे सदन में पर्याप्त समय मिलता है। विमर्श प्रशांत मन होते हैं। ब्रिटेन की संसद में दो सदन हैं। हाउस ऑफ कॉमंस निचला सदन है और हाउस ऑफ लॉर्ड्स उच्च सदन। पहले दोनों के अधिकार प्रायः एक समान थे। जब निर्वाचित सरकार के सामने कठिनाइयां आईं, तो 1911 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के अधिकार घटाए गए। 1949 में फिर से लॉर्ड्स के प्राधिकार घटे। प्रख्यात विधिवेत्ता लार्ड डेंनिंग ने दूसरे सदन पर रोचक टिप्पणी की थी कि यदि वह पहले सदन से सहमत है तो व्यर्थ है और असहमत है तो शरारती है। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में आवश्यकतानुसार परिवर्तन की क्षमता है। उसने नियमन और संशोधन द्वारा दोनों सदनों का सदुपयोग जारी रखा है। जापान की संसद डाईट भी दो सदनीय है। जापान में निम्न सदन द्वारा पारित विधेयक दूसरे सदन की असहमति के बावजूद निचले सदन के दो तिहाई बहुमत से पारित हो जाता है।

भारत ने दो सदनों वाली व्यवस्था अपनाई है। बजट सहित सभी धन विधेयकों के लिए लोकसभा को अधिकार संपन्न् बनाया गया है। लोकसभा का बहुमत ही सरकार का आधार है। लोकसभा को ही अविश्वास प्रस्ताव का अधिकार है। लोकसभा भारत के राष्ट्र जीवन की प्राणधारा है। इसकी गतिशीलता लोकजीवन को जड़ या स्थिर नहीं होने देती। लोकसभा गतिशीलता की प्रतिनिधि है। राज्यसभा राष्ट्रीय विवेक और राज्यों की प्रतिनिधि है। विवेक को राष्ट्रजीवन की गतिशीलता में मार्गदर्शक और सहयोगी बनना चाहिए, लेकिन मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में राज्यसभा में विपक्ष ने राष्ट्र जीवन की गतिशीलता में अपनी भूमिका का अपेक्षित निर्वाह नहीं किया। राज्यसभा की असाधारण उपलब्धियां हैं, लेकिन संविधान सभा में लोकनाथ मिश्र ने दूसरे सदन के औचित्य पर सवाल उठाए थे। एम अनंत शयनम् आयंगर ने कहा था कि दूसरा सदन जरूरी है। अगर निचला सदन आवेश में कोई कानून तुरंत पास करता है तो ऊपरी सदन में उसके पहुंचने तक बीच में आए समय व्यवधान से आवेश का प्रशमन होगा और कानून पर सही विचार होगा। संविधान ने लोकसभा और राज्यसभा, दोनों को ही प्रतिष्ठा दी है।

भारत विशाल देश है। यहां क्षेत्रीय विविधता है। अधिक प्रतिनिधित्व हमेशा शुभ होता है। सभी वर्गों, क्षेत्रों और भिन्न् व्यवसायिक समूहों का प्रतिनिधित्व व्यापक विचार-विमर्श में और भी उपयोगी होता है। इसलिए जनप्रतिनिधि सदनों की गुणवत्ता और अर्थवत्ता पर लगातार विमर्श जरूरी है। राज्यसभा और विधान परिषद धन विधेयक और वित्त विधेयकों पर अधिकारविहीन हैं। धन संबंधी मामलों में लोकसभा और विधानसभा ही अधिकार-संपन्न् हैं। शेष विधेयकों पर बेशक राज्यसभा अधिकार-संपन्न् है, लेकिन विधान परिषदें ज्यादा से ज्यादा तीन माह तक ही विधेयक विचारार्थ रोक सकती हैं। क्या इस अवधि का कोई सदुपयोग संभव है? दो सदनीय व्यवस्था के पक्षधर कहते हैं कि इस अवधि में हड़बड़ी या आवेश की त्रुटि समाप्त हो सकती है। मूलभूत प्रश्न है कि ऐसी उपयोगिता के बावजूद विधान परिषदों का गठन ऐच्छिक क्यों है? उच्च सदन धीर-गंभीर विमर्श के मंच हैं। तब यहां उत्तेजना और आवेश का माहौल नहीं होना चाहिए। यहां होने वाली बहसें देश के लिए उपयोगी भी होती हैं। राज्यसभा ऐसा ही सदन है, लेकिन अनेक अवसरों पर शोर और कलह का वातावरण होता है। महत्वपूर्ण विधायन पर भी सार्थक बहस नहीं होती। विधान परिषदों की हालत और भी निराशाजनक है। इसीलिए दो सदन बनाम एक सदन की बहस चलने लगती है। दुनिया के तमाम देशों में दूसरे सदन नहीं हैं। न्यूजीलैंड, मॉरीशस, लेबनान, दक्षिण कोरिया, डेनमार्क, बुल्गारिया आदि में एक सदन व्यवस्था है। एक सदन या द्विसदन की बहस अनंत है। विधायिका की गुणवत्ता व उत्पादकता ही विचारणीय है। विधान परिषदों को बनाने या समाप्त करने के औचित्य, उपयोगिता एवं प्रावधान पर गहन विमर्श की जरूरत है।

सुरक्षा तंत्र और डबल एजेंट

गुरबचन जगत

मणिपुर का राजभवन परिसर, जहां मैं वर्ष 2008 से 2013 तक बतौर राज्यपाल रहा था, वह काफी बड़ा है, जिसमें मेरी रिहायश पुराने विरासती भवन में थी। अलबत्ता इससे महज 20 गज दूर बना दफ्तर आधुनिक भवनों जैसा है, जो शीशे और एल्यूमीनियम से बना है। अपने दफ्तर में बैठकर भीतर से ही बाहर के लॉन और बगीचे का पूरा नज़ारा ले सकता था। मेरा सचिवालय और अन्य स्टाफ भी इसी परिसर में काम करते थे।

8 सितम्बर, 2009 के दिन, जब मैं अपने दफ्तर में बैठा था तो एक केंद्रीय खुफिया एजेंसी के शाखा प्रमुख ने फोन पर बताया कि उग्रवादी विस्फोटकों से लैस स्लेटी रंग की एक मारुति-800 कार राजभवन में या तो घुसा दी गई है या घुसने को है। उस शख्स ने यह सूचना स्थानीय पुलिस को भी प्रेषित कर दी थी।

मुझे जैसे ही यह संवेदनशील सूचना मिली, मैं आनन-फानन में बाहर निकला, अपने सचिव को साथ लिया और हम दोनों पार्किंग में उस कार को देखने लगे जो दफ्तर परिसर के काफी पास थी। हमने पाया कि वाकई स्लेटी रंग की मारुति कार वहां थी और उसका हुलिया ठीक वैसा लग रहा था जैसा कि खुफिया एजेंसी प्रमुख ने बतलाया था।

स्थानीय पुलिस बम निरोधक दस्ते के साथ आ पहुंची और आरंभिक जांच के बाद तस्दीक की कि कार में वाकई विस्फोटक सामग्री और डेटोनेटर हैं, जिसका वजन लगभग 25 किलोग्राम के आसपास होगा। इनको कार की पिछली सीट पर जिलेटिन के साथ, धातु की कील-बोल्ट के जरिए बैठाया गया था। तीन हैंड ग्रेनेड के अलावा कई डेटोनेटर और दो मोबाइल फोन विस्फोटक सामग्री के साथ जुड़े पाए गए थे। मकसद था मोबाइल कॉल के जरिए विस्फोट करना। हालांकि किसी तकनीकी खराबी के चलते वे लोग अपने काम को अंजाम नहीं दे पाए थे और विस्फोट होने से बच गया था। अगरचे यह हादसा सिरे चढ़ जाता तो यह समूचे राजभवन कार्यालय परिसर को ध्वस्त करने को काफी था। बम निरोधक दस्ता इन तमाम विस्फोटकों को मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय ले गया, जो राजभवन से लगभग 12 किलोमीटर दूर था और फायरिंग रेंज में ले जाकर इन्हें निष्क्रिय कर दिया गया था।

यह स्पष्ट था कि गुप्तचर एजेंसी को विस्फोटक की जानकारी देने वाले मुखबिर ने वाहन के राजभवन में पहुंचने की पुष्टि कर ली थी। जाहिर है उसके द्वारा एजेंसी के अपने हैंडलरों को इत्तला देने के पीछे बड़ा मकसद अपनी खुद की खाल बचाने का भी रहा होगा। तथापि इस मामले में उसका बड़ा झुकाव अतिवादी संगठनों की ओर स्पष्ट दिखाई दे रहा था, क्योंकि अगर कोई खराबी न आई होती तो उसकी सूचना देने से पहले ही वहां विस्फोट हो चुका होता वरना फिर इस मुखबिरी का कोई लाभ भी नहीं था। खुफिया विभाग से साथ की गई बात में इस बिंदु पर विशेष रूप से चर्चा हुई थी। मुझे यह तो नहीं मालूम कि बाद में क्या-क्या कदम उठाए गए, लेकिन इस तरह के डबल एजेंट होना कोई एकाध होने वाली घटना नहीं है, क्योंकि यह आम देखा गया है कि मुखबिरों के लिए दोनों पक्षों में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करनी होती है-अंतिम परिणाम हालांकि इस बात पर निर्भर करता है कि उनकी असल वफादारी या झुकाव किस पक्ष के प्रति सचमुच है।

आगे चलकर इस मामले की मणिपुर पुलिस ने काफी सघन जांच की थी। हालांकि पुलिस ने पुष्टि की थी कि कार में आने वाले लोग एक स्थानीय क्लब की ओर से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की गरज से आए थे। परंतु कांग्लेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सैन्य परिषद) ने इस प्रयास की जिम्मेवारी ली थी। इस संगठन का कहना था कि उसने राजभवन को निशाना इसलिए बनाया है, क्योंकि वहां बैठे राज्यपाल मणिपुर में सुरक्षा बलों के हाथों निर्दोष लोगों की मौतों के मुख्य योजनाकार हैं।

बेशक पुलिस ने विस्फोटक लदी कार लाने वाले चालक की पहचान करने में सफलता पा ली थी लेकिन वह उसको गिरफ्तार नहीं कर पाई थी, क्योंकि सूचनाओं के मुताबिक उक्त शख्स को कभी असम तो कभी बांग्लादेश और नेपाल में कई जगह कथित तौर पर देखा गया था और बाद में वर्ष 2013-14 में उसकी मौत हुई बताई गई थी।

उस वक्त केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजभवन के सुरक्षा इंतजामों की पुनः समीक्षा करने का आदेश दिया था। एक वरिष्ठ अफसर जो उस वक्त संघीय खुफिया ब्यूरो की सुरक्षा शाखा प्रमुख थे, मणिपुर आए थे और उन्होंने पूरे राजभवन परिसर को जांचा था (वह अफसर दिनकर गुप्ता थे, जो फिलहाल पंजाब पुलिस के महानिदेशक पद पर हैं)।

उन्होंने राजभवन के अंदर और बाहर के सुरक्षा उपायों में आमूलचूल परिवर्तन करना सुझाया था और इन सिफारशों को राज्य सरकार ने तुरंत स्वीकार कर लिया था। इस तरह मणिपुर के मेरे बाकी कार्यकाल में कोई बुरी घटना नहीं होने पाई थी। राजभवन के सुरक्षा प्रबंधों में सुधार हेतु दिनकर गुप्ता द्वारा सुझाए गए अनेक प्रस्तावों में एक यह भी था कि राजभवन परिसर की बाहरी दीवारों और अन्य नाजुक समझी जाने वाली जगहों पर, जहां सेंध लगने की संभावना हो सकती थी, वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उधर, मेरे सचिव ने राज्यपाल के एडीसी जो कि पुलिस विभाग से थे, को कहा था कि वे खुद भी पूरे परिसर की व्यक्तिगत जांच कर यह सुनिश्चित करें कि तमाम बिंदुओं को ध्यान में लिया गया है या नहीं? बाद में उक्त एडीसी की रिपोर्ट लेकर वह सचिव मेरे पास आया और बमुश्किल अपनी हंसी पर काबू पाते हुए उसने मुझे एडीसी द्वारा पाए गए संभावित सेंध स्थलों और उपायों की नई फेहरिस्त सौंपी थी।

युवा तुर्कों की आहट महसूस करे सरकार

स्वामी अग्निवेश

केंद्र सरकार के नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में युवा नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष कर रहे हैं। पिछले एक महीने से देश भर में जगह-जगह शांतिपूर्वक धरना-प्रदर्शन चल रहा है, जिसमें विश्वविद्यालयों के छात्रों और युवाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है। सरकार को इस परिस्थिति से उबरने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है।

छात्र और युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति कहा गया है लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि केंद्र सरकार छात्रों-युवाओं के साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रही है। स्वामी रामदेव और कुछ राजनीतिज्ञों का कहना है कि छात्रों को आंदोलन और धरना-प्रदर्शन में भाग नहीं लेना चाहिए। अस्सी के दशक में भारत भी छात्रों-युवाओं के ऊर्जा का साक्षी बना था और देश में परिवर्तन की बयार बही थी। अस्सी के दशक में हुए छात्र आंदोलन (जेपी मूवमेंट) ने अपराजेय इंदिरा गांधी को करारी शिकस्त देकर कांग्रेस को ऐसा आघात दिया कि आज तक वह उससे उबर नहीं पा रही है।

अरुण जेटली और सुषमा स्वराज छात्र आंदोलन की ही उपज थे। ये दोनों अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में मंत्री रहे। यदि छात्रों के राजनीति और आंदोलन में शामिल होने की मनाही रही होती तो क्या आज बीजेपी, कांग्रेस, सपा, राजद और कम्युनिस्ट पार्टियों के ढेर सारे नेता होते। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यह दावा करते हैं कि वे इमरजेंसी के समय सक्रिय थे। इस सरकार के कई मंत्री और सांसद अपने को जेपी आंदोलन की उपज बताते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वे उस आंदोलन के सबक को भूल गए हैं।

आज के राजनीतिक माहौल जैसा ही सत्तर के दशक में भी देश का राजनीतिक माहौल था। कांग्रेस शासन से लोगों का मोहभंग होने लगा था। मजबूत विपक्ष के अभाव में कांग्रेस अपनी मनमर्जी चला रही थी। 1971 में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश बनाने के बाद कांग्रेस का गरूर आसमान पर पहुंच गया था। इंदिरा गांधी 'गरीबी हटाओ' का नारा देकर फिर से सत्ता पर काबिज हो गई थीं। लेकिन गरीबी हटाओ का उनका नारा धीरे-धीरे 'गरीब हटाओ' में बदल गया। अकाल और महंगाई ने जनता के दुख को दोगुना कर

दिया। बुनियादी वस्तुओं के लिए अंतहीन कतारें देश में एक आम दृश्य बन चुकी थीं। दिसंबर 1973 में गुजरात में मोरबी इंजीनियरिंग कॉलेज के कुछ छात्रों ने अपने मेस चार्ज में भारी वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रकट किया था। जयप्रकाश नारायण उस दौरान छात्रों से मिले और सरकार से अपील की कि छात्रों की मांग को सुना जाए। लेकिन राज्य और केंद्र सरकार के हठवादी रवैये के चलते छात्रों के असंतोष का हल नहीं निकला। तब जेपी ने छात्रों-युवाओं का आह्वान किया कि वे सड़क पर उतर कर संघर्ष करें। आंदोलन के समन्वय के लिए छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी का गठन हुआ। अंततः यह छात्र आंदोलन पूरे देश में फैल गया। इंदिरा गांधी को इमरजेंसी लगानी पड़ी, कालांतर में हुए चुनाव में जनता पार्टी की जीत के साथ कांग्रेस सत्ता से हाथ धो बैठी। भारतीय राजनीति में एक शब्द 'युवा तुर्क' का प्रयोग बहुत आम है। यह 'युवा तुर्क' शब्द भी छात्र-युवा आंदोलन से ही निकला है। तुर्की में छात्रों ने उस्मानिया साम्राज्य के निरंकुश राजतंत्र को समाप्त करके वहां संवैधानिक राजतंत्र स्थापित करने का आंदोलन चलाया था। यह छात्र आंदोलन इतना कामयाब रहा कि 1908 में सुल्तान अब्दुल हमीद द्वितीय का एकछत्र शासन समाप्त हुआ और तुर्की में बहुदलीय लोकतांत्रिक शासन का आरम्भ हुआ।

जिस तरह से छात्रों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध किया है, यह भारत की राजनीतिक गतिरुद्धता को तोड़ता है। यह आंदोलन नए राजनीतिक समीकरण के उदय का संकेत भी दे रहा है। आज के समय को हम कांग्रेस के पतन, भाजपा का उदय और क्षेत्रीय दलों की निरंतर कम होती प्रासंगिकता के तौर पर देख सकते हैं। पिछले 30 वर्षों में भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति उभरी है कि मुख्यधारा के राजनीतिक दल देश के पूरे राजनीतिक स्थान को भर नहीं पा रहे हैं। जनता अन्य प्रासंगिक विकल्पों की तलाश कर रही है। सत्तारूढ़ दल और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियां जनता की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं और बुनियादी सवालों को हल करने के बजाय दबाने में लगी हैं। बेरोजगारी, कृषि संकट, शहरीकरण, संवैधानिक संस्थाओं में संस्थागत सुधार का अभाव और महंगाई जैसे मुद्दे इसके लिए परिपक्व मौका उपलब्ध करा रहे हैं।

आज युवा भारत का सबसे बड़ा मतदाता वर्ग है। वह सांप्रदायिक आधार पर निर्णय नहीं करता। एक ढर्रे पर चलने के कारण मुख्यधारा के राजनीतिक दल इस समय छात्रों का नेतृत्व नहीं कर पा रहे हैं। देश का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य भी हमें आमूल-चूल परिवर्तन की तरफ सोचने को मजबूर कर रहा है।

इस समय सत्ताधारी दल हर आंदोलन को विदेशी और भारत विरोधी शक्तियों की साजिश बताता है। लेकिन ऐसा नहीं है। किसी भी आंदोलन के आलोचना या विरोध के कुछ मानक तय होने चाहिए। कोई भी आंदोलन और धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण और संविधान के दायरे में होना चाहिए। सीएए, एनआरसी और एनपीआर के विरोध में देश भर में होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस कसौटी पर खरे उतरते हैं। विगत वर्षों में देश में चल रहे विभिन्न आंदोलनों से कई युवा निकले हैं जो देश में लोकतंत्र की अलख जगा रहे हैं। ऐसे में आंदोलन और उसमें शिरकत कर रहे छात्रों पर सवाल उठाना गलत है।

बॉलीवुड

इमोशनल कर देगा तापसी पन्नू की खामोशी वाला गाना एक टुकड़ा धूप

तापसी पन्नू स्टारर फिल्म थप्पड़ का ट्रेलर रिलीज होने के बाद आज फिल्म का पहला गाना एक टुकड़ा धूप रिलीज हो गया है। इस गाने को राघव चैतन्य ने अपनी आवाज दी है, वहीं शकील आजमी ने इसके बोल लिखे हैं और अनुराग सैकिया ने इस संगीत से संजोया है। गाना काफी इमोशनल है। गाने में तापसी और पावेल गुलाटी के खुशहाल विवाहित जीवन के मधुर क्षणों को दिखाया गया, जो एक थप्पड़ के टूट जाती है। गाने में दिखाया गया है कि तापसी कैसे अपने पति के लिए खाना बनाती है, जब वह ऑफिस के लिए निकलती है तो उसे कैसे बाई बोलती है। गाने में दिखता है कि कैसे वह अपने पति के साथ लाइफ एंजॉय कर रही होती हैं कि तभी एक दिन पार्टी में सबके सामने उनके पति उन्हें थप्पड़ मार देते हैं और इसके बाद तापसी की पूरी कहानी बदल जाती है। पति के थप्पड़ मारने के बाद वह उसे माफ करने से मना कर देती है। गाने में तापसी की खामोशी स्पष्ट दिखाई देती है क्योंकि वह अपनी शादी से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करती है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कृषि सलाहकार परिषद गठित

भोपाल। राज्य शासन ने किसान प्रतिनिधियों से निरंतर संवाद बनाये रखते हुए प्राप्त सुझावों के क्रियान्वयन एवं समस्याओं के समाधान के लिये मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कृषि सलाहकार परिषद का गठन किया है। किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री परिषद के उपाध्यक्ष होंगे। प्रमुख सचिव किसान-कल्याण एवं कृषि विकास को परिषद का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। परिषद का कार्यकाल अधिकतम 5 वर्ष का होगा। पाँच वर्ष बाद नये सदस्यों के साथ परिषद का पुनर्गठन किया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार परिषद में 20 सदस्य मनोनीत किये गये हैं। मनोनीत सदस्यों में मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, प्रमुख सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, प्रमुख सचिव पशुपालन, प्रमुख सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य-पालन, प्रमुख सचिव खाद्य-नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, राजमाता विजयाराजे सिंधिया विश्वविद्यालय, ग्वालियर के वाइस चांसलर श्री एस.आर. राव और राज्य कृषि विपणन संघ, राज्य सहकारी संघ, राज्य सहकारी विपणन संघ के प्रबंध संचालक और संचालक किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी एवं संचालक कृषि अभियांत्रिकी शामिल हैं। इनके अलावा परिषद में 7 अशासकीय सदस्य मनोनीत किये गये हैं। इन सदस्यों के नाम श्री दिनेश गुर्जर मुरैना, श्री शिवकुमार शर्मा होशंगाबाद, श्री उमराव सिंह गुर्जर नीमच, श्री केदार सिरोही हरदा, श्री विश्वनाथ ओक्टे छिन्दवाड़ा, श्री ताराचंद पाटीदार रतलाम और श्री बृजबिहारी पटेल जबलपुर हैं। कृषि सलाहकार परिषद खेती को लाभ का धंधा बनाने तथा प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के संबंध में किसानों के फीडबेक के आधार पर राज्य सरकार को सुझाव देगी और अनुशंसा करेगी। परिषद कृषक ऋण माफी योजना की मॉनीटरिंग करेगी और इसके क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों का फीडबेक तथा निराकरण के सुझाव देगी और अनुशंसा करेगी। परिषद के दायित्वों में केन्द्र सहायतित/राज्य सहायतित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उनका लाभ किसानों तक पहुँचाने के संबंध में समीक्षा करना और प्राप्त सुझावों के बाद अनुशंसा करना भी शामिल है। परिषद फसल मूल्यों, बीज की उपलब्धता, मण्डी की सुविधाओं के संबंध में फीडबेक लेगी और सुझाव देगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराना राज्य शासन की प्राथमिकता - मंत्री श्री पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने कहा है कि ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराना राज्य शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए मिशन का अमला अभियान चलाकर ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूह के रूप में संगठित करें। श्री पटेल ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूह रोजगार के सशक्त माध्यम हैं। आवश्यकता इन समूह में सदस्यों को कार्य-दक्षता प्रशिक्षण मुहैया कराने की है। उन्होंने कहा कि समूह द्वारा उत्पादित माल को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मिशन प्रयास करें। श्री पटेल ने कहा कि मिशन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाएं, तो समूह सदस्यों के साथ अनिवार्य रूप से चर्चा करें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी जिला इकाइयों को स्व-सहायता समूह गठन और बैंक संबद्धता के लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए।

जिला परिषद के एकल निर्वाचन क्षेत्रों का किया अंतिम प्रकाशन

धौलपुर (ब्यूरो)। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार जायसवाल ने बताया कि जिला परिषद के एकल निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 14 दिसम्बर 2019 को जारी संशोधित अंतिम प्रकाशन को प्रत्याहारित कर किया गया है। उन्होने बताया कि जिला परिषद के एकल निर्वाचन क्षेत्रा 3 दिसम्बर 2019 को जारी अंतिम प्रकाशन के अनुसार ही प्रभावी रहेंगे।

उन्होंने बताया कि जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रा में वार्ड संख्या 1 के अन्तर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत बनौरा, बसेड़ी, तिमासिया, पिपरौन, हरजूपुरा, धौर्र, ताजपुरा, खनपुरा एवं धीमरी, वार्ड संख्या 2 में नादनपुर, बड़रिया, भरकूंजरा, लीलौठी, मढ़ासिल, पवैनी, खुर्दिया, खरौली एवं बीलौनी, वार्ड संख्या 3 सरमथुरा, झिरी, चन्द्रावली एवं डोमई, वार्ड संख्या 4 आंगई, पिपरैट, रहरई, बरौली, धौंध, गौलारी, मदनपुर, बीझौली, बटीकरा, वार्ड संख्या 5 धन्नू का पुरा, सनौरा, चिलाचौंद, नकसौंदा, उमरेह, सहेड़ी, खानपुर मीणा, रूंधेरा एवं कुदिन्ना, वार्ड संख्या 6 सेवरपाली, बरपुरा, बसईडांग, कस्बानगर, मरहौली, बहादरपुर, सूरौठी, बिजौली, मत्सूरा, वार्ड संख्या 7 धनौरा, पुराउलावटी, कांसपुरा, नगला बिधौरा, नौरहा, टोंटरी, अलीगढ़, गढ़ी खिराना, सिंगोरई, वार्ड संख्या 8 कंचनपुर, पंजूपुरा, जपावली, पिदावली, नगला दुल्हे खां, नीमखेड़ा, अजीतपुर व गढ़ी सुक्खा, वार्ड संख्या 9 कोटरा, विशनौदा, सरानी, खेड़ा, बसईसामन्ता, बसईनीम, पुरानी छावनी, मौरोली एवं नकटपुरा, वार्ड संख्या 10 नुनहेरा, हाजीपुर, तसीमो, गढ़ी चटोला, करीमपुर, उमरारा, मालौनीखुर्द, बरा, पुरैनी, कोलुआ, वार्ड संख्या 11 पचगांव, नैनोखर, ओदी, दूबरा, फिरोजपुर, टांडा, विपरपुर, वार्ड संख्या 12 भैंसेना, तगावली, लुहारी, जाटौली, सिंगावली बरेह, सादिकपुर, कासिमपुर, वार्ड संख्या 13 बसईकारें, मरैना, चौहानपुरा, फरासपुरा, दिहौली, लालपुर, महदपुरा, चीलपुरा, समौर, वार्ड संख्या 14 गन्हेदी, नादौली, नागर, हथवारी, अनन्दापुरा, मछरिया, सदापुर, खुड़िला, बसई घीयाराम, वार्ड संख्या 15 सिकरौंदा, सिंघावली कलां, बाजना, सिलावट, देवखेड़ा, समौना, नाहिला, वार्ड संख्या 16 विन्तीपुरा, कोटपुरा, खेरली, जसूपुरा, शाहपुरा, जलालपुर, ढ़ोड़िकापुरा, वार्ड संख्या 17 दुबाटी, दुल्हारा, मांगरौल, बसईयालालू, मढ़ाभाऊ, बीलपुर, विरौंधा, वार्ड संख्या 18 बरैठा, बोथपुरा, दयेरी, हिनौता, मनियां, वार्ड संख्या 19 कौलारी, चितौरा, मूसलपुर, मानपुर, सखवारा, निधेरकलां, टहरी, चौराखेड़ा, कनासिल, परौआ, वार्ड संख्या 20 बसईनबाव, नन्दपुरा, नगला हरलाल, मालौनी पंवार, कुरैंधा, पिपहेरा, दौनारी, जारौली, पिपरौआ, भदियाना, नगलाखरगपुर, वार्ड संख्या 21 कैंथरी, रजौराकलां, रजौरा खुर्द, झीलरा, सहरोली, कूंकरा-माकरा, सैपऊ, मढ़ाकांकोली, वार्ड संख्या 22 बौरोली, एकटा, कुनकुटा, अतरसूमा, गुर्जा, रतनपुर, महू गुलावली, जारगा, बागथर तथा वार्ड संख्या 23 को ममोधन, भारली, सलेमपुर, झील, मूड़िक, खिड़ौरा, बरई, दौपुरा, इब्राहिमपुर एवं निधारा को शामिल किया गया है।

अजय के हौसलों से पस्त हुई दिव्यांगता, टिकट संग्रह के शौक से मिली शौहरत व मुकाम

बाड़ी। कौन कहता है आसमान में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो और सचमुच तबियत से उछाले गये छोटे से कस्बे के एक पत्थर ने विपरीत परिस्थितियों व तमाम अड़चनों के बावजूद विस्तृत आसमान में छेद कर अपने सटीक लक्ष्य के साथ एक मुकाम हासिल कर लिया, यह पत्थर था दृढ़ आत्मविश्वास का, कड़े परिश्रम का और सतत लगन का, जिनके सहारे बाड़ी निवासी अजय गर्ग ने 200 देशों की डाक टिकटें, 80 देशों के सिक्के, 35 देशों के नोट, 126 देशों में जारी महात्मा गांधी की डाक टिकटें, 1947 से 2019 तक की भारत की सभी डाक टिकटें, ब्रिटिश टाइम की 80 डाक टिकटें, ओमान देश का एक विशेष 100 न्यूड स्टाम्प पैक, 25 सोने की भारतीय टिकटें, पुराने न्यूजपेपर, डॉक्यूमेंट, एंटीक आइटम, मैच बॉक्स, किताबे जैसे कई दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह कर देश के नामी संग्रहकर्ता के रूप में अपना नाम दर्ज कराया है, जिसे लेकर अजय गर्ग को 9 फरवरी को प्रदेश स्तर पर जयपुर फिलेटलिक सोसायटी व मुद्रा परिषद राजस्थान द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। बाड़ी निवासी जगदीश प्रसाद गर्ग के छह पुत्र-पुत्रियों में से चौथे नम्बर के अजय गर्ग का जन्म 1979 को हुआ, जो 6 माह बाद पोलियों के शिकार हो गये, हालांकि सम्पन्न परिवार में अजय गर्ग को जन्म तो मिला, लेकिन उनकी विकलांगता उन्हें मायूस करती रही।

जिला स्तरीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन विधायक दमोह

दमोह। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जिला स्तरीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन विधायक दमोह राहुल सिंह के मुख्य अतिथ्य में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक राहुल सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि विद्यार्थी जीवन हमारे जीवन का वह महत्वपूर्ण अवसर है, जहां हम प्रत्येक क्षण का उपयोग करते हुये अपने जीवन को उन्नत कर सकते है। कार्यक्रम मे नेता प्रतिपक्ष नगरपालिका राजकिषोर सिंह चैहान ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अपने अंदर छिपी प्रतिभा को विकसित करने में इन सम्मेलनों के द्वारा एक अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल वीरेन्द्र दवे ने कहा कि छात्र अपने जीवन में खूब उन्नती करें, लेकिन उसकी प्रथम सीढ़ी अपने गुरू का सम्मान करना है, वे हमारे प्रेरणास्त्रोत है। प्राचार्य डॉ.के.पी. अहिरवार ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा कि महाविद्यालय विकास के इस प्रकार केन्द्र बने जहां छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके। कार्यक्रम प्रभारी प्रो. इंदिरा जैन ने कहा कि वर्तमान यांत्रिक व अमानवीय जीवन से मुक्ति और आनंद की प्राप्ति हमारी संस्कृति के अनुरूप गीत, नृत्य और संगीत के ये स्नेह सम्मेलन है। पी.जी. कॉलेज, के.एन. कॉलेज, तेन्दूखेड़ा कॉलेज एवं विजय लाल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण अंचलों की खुशबू से अभिसिंचित भारतीय संस्कृति के अनुरूप शानदार प्रस्तुती दी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस लालचंद राय, , नगर कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल सिंह, सतीष जैन, सतीष नायक, चंदू राय, दिनेश रैकवार, शुभम् तिवारी (जिला एन.एस.यू.आई.अध्यक्ष) दीपक मिश्रा आदि ने विषिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम के मंच को सुषोभित किया एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। महेन्द्र दुबे, अमर सिंह राजपूत, कविता बजाज, आकांक्षा तोमर निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।

लोक अदालत में सम्पत्ति और जल-कर सहित अन्य करों के अधिभार पर मिलेगी छूट

सतना। प्रदेश में 8 फरवरी को आयोजित हो रही नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति-कर, जल-कर एवं अन्य करों के अधिभार पर निर्धारित शर्तों के अधीन छूट दी जायेगी। ये छूट उन निकायों में लागू नहीं होगी, जहाँ निर्वाचन की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होगी। सम्पत्ति-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रुपये तक बकाया हो, उनमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। जल-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक बकाया होगी, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। सम्पत्ति-कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक तथा एक लाख के बीच बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी।

समस्त विभागों के अधिकारियों को लाइट्स पर नियमित अपडेशन करने के दिए निर्देश

धौलपुर। अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेन्द्र कुमार वर्मा ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में न्याय विभाग की वेबसाइट लाइट्स के नियमित अपडेशन करने तथा नवीनतम जानकारियों का ऑनलाइन इंद्राज सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग में लाइट्स के लिए एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए। जो न्यायपालिका में विचाराधीन समस्त प्रकरणों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। नोडल अधिकारी वेबसाइट पर टॉकिंग प्वाइंट बटन के विकल्पों को भरकर शून्य करें। इसके तहत वादी-प्रतिवादी की जानकारी, वकील वादी-प्रतिवादी, न्यायालय तथा आगामी पेशी की तारीख से संबंधित सूचनाएं भरी जाएंगी।

जिला स्तरीय अधिकारी अपने विभाग के न्यायिक प्रकरणों के

ऑनलाइन फीड होने तथा नियमित अपडेट करने का प्रमाण पत्रा जिला प्रशासन को प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि समस्त विभागों के लाइट्स के प्रभारी अधिकारी का स्थानांतरण होने पर कार्यभार हस्तांतरण के समय न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों तथा पत्रावलियों का भी उल्लेख किया जाए और लाइट्स पर अपडेट करके पत्रावलियां संभलाने पर ही संबंधित प्रभारी अधिकारी का गत भुगतान प्रपत्रा जारी किया जाए। उन्होने कहा कि लाइट्स के प्रकरणों के साथ साथ सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का भी निस्तारण समय पर करते हुए आमजन को राहत प्रदान करें। अवमानना के केशों को गम्भिरता से लेते हुए उनका जबाब दिया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने स्कूलों का किया औचक निरीक्षण हनुमना के बीआरसी शुक्ला को हटाने के दिये निर्देश

रीवा (ब्यूरो)। कलेक्टर बसंत कुर्रे ने आज नईगढ़ी विकासखंड की प्राथमिक शाला सुमेधकला, हनुमना विकासखंड की हायर सेकेण्ड्री स्कूल चरैया का औचक निरीक्षण कर विकासखण्ड हनुमना के बीआरसी द्वारा स्कूलों का नियमित रूप से निरीक्षण और समीक्षा न करने पर बीआरसी शिवकुमार शुक्ला को तत्काल हटाने के निर्देश दिये। उन्होंने लापरवाह शिक्षकों के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये कहा। कलेक्टर ने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस शैक्षणिक सत्र में छात्रों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत लाने के हर संभव प्रयास किये जाय। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ अर्पित वर्मा मौजूद थे। कलेक्टर श्री कुर्रे ने हायर सेकेण्ड्री स्कूल चरैया के निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं हेतु निर्मित शौचालय की नियमित सफाई और उपयोग के लिए खुला रखने के लिए कहा। आंगनवाड़ी केन्द्र चरैया में निरीक्षण

के दौरान पोषण आहार का निरीक्षण कर आहार की गुणवत्ता सुधारने के लिये कहा। आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज 35 बच्चों में से केन्द्र में एक भी बच्चे के न रहने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की और कार्यकर्ता सरोज साकेत को आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने शाला परिसर में स्थित शासकीय जूनियर अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास चरैया में गंदगी रहने, शौचालय एवं बाथरूम गंदे रहने पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की और स्वच्छता रखने के निर्देश दिये। छात्रावास अधीक्षक ऋषि कुमार मिश्रा के छात्रावास से अनुपस्थित रहने पर अधीक्षक के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री कुर्रे ने नईगढ़ी तहसील का निरीक्षण कर राजस्व प्रकरणों को तीव्र गति से निपटाने के लिये कहा। उन्होंने हनुमना तहसील के निरीक्षण के दौरान 5-5 वर्ष से राजस्व प्रकरणों का निराकरण न करने पर तहसीलदार श्री नीरज से गंभीर नाराजगी व्यक्त की और पटवारी की बैठक के दौरान राजस्व निरीक्षक और पटवारी से प्रतिवेदन लेकर तुरंत निराकरण करने के लिये कहा।

सहेलवती कोल को मिली पक्के घर की छाव

रीवा। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे कई गरीब परिवारों के पक्के आवास में रहने का सपना सच हुआ है। इन्हीं में शामिल हैं रीवा नगर निगम के वार्ड क्रमांक26 में रहने वाली सहेलवती कोल। सहेलवती का कच्चा आवास वार्ड क्रमांक-26 की गंदी बस्ती में था गंदी बस्ती उन्मूलन के तहत नगर निगम द्वारा उनका आवास हटा दिया गया है उसके स्थान पर सहेलवती को प्रधानमंत्री आवास योजना से 8 लाख 25 हजार रूपये मूल्य का पक्का आवास दिया गया है। सहेलवती अब ललपा में बनायी गयी आवासीय कालोनी में पक्के आवास में रहती हैं। सहेलवती ने इसी परिसर का निर्माण करने वाले ठेकेदार के यहां कार्य करके 20 हजार रूपये की अंश राशि जमा की। उसकी शेष एक लाख 80 हजार रूपये की राशि मासिक किस्तों में जमा की जा रही है।

राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार हेतु 30 अप्रैल तक शिल्पी आवेदन करें

सतना (ब्यूरो)। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार वर्ष 2020-21 के लिए सिद्धस्थ शिल्पियों से कलाकृतियां आमंत्रित किए जाने हेतु आवेदन पत्र जिला स्तर पर 30 अप्रैल तक संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम कार्यालय या जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय जिला पंचायत में जमा कर सकते हैं।

संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम ने बताया कि राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार 2020-21 के लिए सिद्धस्थ शिल्पियों से कलाकृतियां आमंत्रित की गई हैं। इसके लिए आवेदन पत्र जिला स्तर पर 30 अप्रैल 2020 तक प्राप्त किए जायेंगे। 30 सितम्बर 2020 कृति निर्माण एवं जिला स्तर पर जमा करने की अंतिम तिथि रहेगी। 15 अक्टूबर को जिला स्तरीय कमेटी द्वारा चयन प्रक्रिया की जायेगी। 15 नवम्बर के पूर्व राज्य स्तरीय कमेटी द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी। चयन प्रक्रिया उपरांत 25 दिसम्बर के पूर्व चयनित शिल्पियों को पुरस्कार प्रदाय किए जायेंगे।

राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के तहत सिद्धस्थ प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख की राशि, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार, तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार जबकि तीन शिल्पियों को प्रत्येक को 15-15 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदाय की जायेगी। पुरस्कार के लिए शिल्पी को मध्यप्रदेश का मूलनिवासी हो। शिल्पी का पंजीयन एवं निवास अनुशंसा करने वाले जिले में हो। शिल्पी संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम या कपड़ा मंत्रालय भारत सरकार के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प कार्यालय) में पंजीकृत होना आवश्यक है।

कमिश्नर ने संजय गांधी अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

साफ-सफाई न होने पर नाराजगी व्यक्त की, बेहतर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराने के दिये निर्देश

रीवा (ब्यूरो)। रीवा संभाग के कमिश्नर डॉ. अशोक कुमार भार्गव ने आज संजय गांधी अस्पताल का आकस्मिक भ्रमण किया। उन्होंने लगभग तीन घंटे तक ओपीडी, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, दवाई भण्डार गृह सहित विभिन्न वार्डों व अस्पताल परिसर का भ्रमण कर बेहतर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान कमिश्नर डॉ. भार्गव ने अस्पताल में साफ-सफाई न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि दीवारों में सफेद डिस्टेंपर की पुताई कराते हुए प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने दरवाजे, खिड़कियों में सफाई पुताई कर जाली लगाने तथा खाली दीवारों में स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी जानकारी फ्लैक्स व चित्र, स्लोगन आदि प्रदर्शित कराने की बात कही। कमिश्नर डॉ. भार्गव ने डीन व

अधीक्षक को निर्देशित किया कि अस्पताल के मुख्य द्वार के पास संकेतक लगाकर विभिन्न वार्डो, एक्स-रे कक्ष व अन्य कक्षों एवं वार्डों की जानकारियाँ प्रदर्शित करायें ताकि लोगों को भटकना न पड़े। वह जरूरत वाले स्थान में जा सकें। उन्होंने दवा भण्डारण कक्ष में दवाईयों को रैक में व्यवस्थित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि इस बात का ध्यान रहे कि एक्सपाइरी दवाइयाँ किसी भी स्थिति में भण्डार में न रहें। कमिश्नर ने अस्पताल में पर्दों को बदलने, नये ड्रिप स्टैण्ड व प्लास्टिक वेड सीट्स के खरीदने के निर्देश अधीक्षक को दिये। उन्होंने कहा कि स्वयं सेवी व सामाजिक संगठनों से भी जरूरी वस्तुओं के लिये सहायता प्राप्त किये जाने हेतु प्रयास करने की बात कही। डॉ. भार्गव ने ओपीडी में चिकित्सकों के विभिन्न कक्षों का भ्रमण कर व्यवस्थायें देखीं व चिकित्सकों से कहा कि मरीजों को बेहतर सेवाएँ दें। उन्होंने प्रयोगशाला, शिशु संवेदी कक्ष, फिजियोथेरेपी कक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, मेडिसिन, एड्स नियंत्रण कक्षों का भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थायें व साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। कमिश्नर ने मरीजों से आयुष्मान योजना व जननी सुरक्षा योजना के लाभ प्राप्त होने की जानकारी ली। उन्होंने सुखवली गुप्ता, मिथिलेश कुमारी, निशा सिंह, प्रतिभा, प्रीति पटेल, रामजी, आदि मरीजों से चिकित्सालय में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व दवाई की उपलब्धता आदि जानकारी ली।

नेशनल लोक अदालत 8 को

रीवा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 8 फरवरी को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में किया जा रहा है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार इस लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अरूण कुमार सिंह ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। इनमें पीठासीन अधिकारी तथा उन्हें सहयोग देने के लिए अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता तैनात कर दिये गये हैं। लोक अदालत में बैंकों की लंबित ऋण वसूली, बीमा संबंधी प्रकरण, नगर निगम, चेक बाउंस, दुर्घटना बीमा तथा मध्यप्रदेश पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रकरणों का आपसी सुलह से निराकरण किया जायेगा।

खेल समाचार

राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल्सः हरियाणा के अभिषेक 10 मीटर एयर पिस्टल टी-2 स्पर्धा में रहे शीर्ष पर

नई दिल्ली ए.। अभिषेक वर्मा ने राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं के लिए राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल्स की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टी-20 स्पर्धा जीती। हरियाणा के अभिषेक ने फाइनल में 243.8 अंकों के साथ उत्तर प्रदेश के श्रवण कुमार (243.4) को पछाड़ा। पंजाब के सुरिंदर सिंह तीसरे स्थान पर रहे। श्रवण इसी स्पर्धा के जूनियर वर्ग में भी दूसरे स्थान पर रहे। चंडीगढ़ के विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 243.4 अंकों के साथ इस स्पर्धा का खिताब जीता। श्रवण ने 242.5 अंक जुटाए। इससे पहले अभिषेक क्वालिफिकेशन में 578 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे।

फ्रेंच लीग वनः इकार्डी और केहर के दम पर पीएसजी ने नेंटस को 2-1 से दी शिकस्त

नई दिल्ली ए.। मौरो इकार्डी (29वें मिनट) और थिलो केहर (57वें मिनट) के दम पर पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने नेंटस को फ्रेंच लीग वन में 2-1 से शिकस्त देकर शीर्ष पर 15 अंकों के साथ अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। पीएसजी की टीम अब तक इस सत्र में 100 गोल दाग चुकी है। पीएसजी के 23 मैचों में 19 जीत से 58 अंक हो गए हैं। मार्सिले की टीम 22 मैचों में 12 जीत से 43 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। मौजूदा चैंपियन पीएसजी की यह पिछले 11 लीग मैचों में दसवीं जीत है। उसने अपना पिछला मैच एक नवंबर को डिजोन के खिलाफ गंवाया था। पीएसजी के स्टार खिलाड़ी नेमार इस मैच में नहीं खेले।

कोरोना वायरस के खतरे के बावजूद एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारत आएंगे चीनी पहलवान

नई दिल्ली ए.। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने बुधवार को कहा कि उसे सरकार से आश्वासन मिला है कि घातक कोरोना वायरस से जुड़े खतरे के बावजूद चीन के पहलवानों को आगामी एशियाई चैंपियनशिप के लिए देश में आने से नहीं रोका जाएगा। भारत सरकार ने चीन के लोगों के लिए ई-वीजा की सुविधा निलंबित कर दी है क्योंकि इस विषाणु के फैलने का डर है जिसके कारण अब तक 490 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। डब्ल्यूएफआई को चैंपियनशिप के लिए चीन के 40 सदस्यीय मजबूत दल के आने की उम्मीद है। विदेश मामलों के मंत्रालय से आश्वासन के बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन 18 से 23 फरवरी तक किया जाएगा। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया है कि पाकिस्तान के पहलवानों को भी वीजा सुनिश्चित किया जाए। शरण ने कहा, 'आज मैं विदेश मंत्री से मिला और मुझे पूरी उम्मीद है कि कोई परेशानी नहीं आएगी। दोनों देशों के पहलवानों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।'

राखी हलदर ने 210 किग्रा वजन उठाकर नेशनल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली ए.। भारतीय भारोत्तोलक राखी हलधर (64 किग्रा) निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे रहने के बावजूद सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। ओलंपिक क्वालिफायर सूची में 19वें स्थान पर चल रही राखी स्नैच में 93 और क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा के साथ कुल 210 किग्रा का वजन उठाकर चैंपियन बनी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड से खेलने वाली राखी ने दूसरे स्थान पर रही चंडीगढ़ की हरजिंदर कौल से 10 किग्रा अधिक वजन उठाया। बंगाल की राखी ने पिछले साल कतर अंतरराष्ट्रीय कप में कुल 218 किग्रा के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता था।राखी ने जून 2019 में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कुल 214 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष वर्ग में पापुल चंगमाई (81 किग्रा) ने स्नैच में 145 और क्लीन एवं जर्क में 172 किग्रा के साथ कुल 317 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

न्यूजीलैंड ने वनडे इतिहास का अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया, भारत को 4 विकेट से हराया

भारत ने 347 रन बनाए, न्यूजीलैंड ने 48.1 ओवर में 6 विकेट पर 348 रन बना लिए

हैमिल्टन ए.। न्यूजीलैंड ने तीन वनडे की सीरीज के पहले मैच में भारत को 4 विकेट से हरा दिया। बुधवार को हैमिल्टन में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 347 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 48.1 ओवर में 6 विकेट पर 348 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड ने वनडे इतिहास का अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले 2007 में उसने इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 347 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरा मैच 8 फरवरी को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड ने लगातार दूसरे वनडे में भारत को हराया। इससे पहले पिछले साल वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी शिकस्त दी थी। मौजूदा न्यूजीलैंड दौरे में भारत की यह पहली हार है। वह पांच टी-20 की सीरीज को 5-0 से जीता था।

टेलर ने एक साल बाद शतक लगाया

रॉस टेलर ने करियर का 21वां शतक लगाया। वे 109 रन बनाकर नाबाद रहे। टेलर ने एक साल बाद शतक लगाया। पिछली बार 8 जनवरी को श्रीलंका के खिलाफ 137 रन बनाए थे। कप्तान टॉम लाथम 48 गेंद पर 69 रन बनाए। हेनरी निकोल्स ने 78 रन की पारी खेली। मार्टिन गुप्टिल 32 रन का योगदान दिया। भारत के लिए श्रेयस अय्यर ने 103 और लोकेश राहुल ने 88 रन की पारी खेली। कप्तान विराट कोहली ने 51 और केदार जाधव ने नाबाद 26 रन बनाए।

अय्यर ने करियर के 16वें मैच में पहला शतक लगाया

अय्यर ने करियर का पहला शतक लगाया। उन्होंने पहला शतक करियर के 16वें मैच में लगाया। अय्यर ने राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। राहुल ने वनडे में अपना 7वां और कोहली ने 44वां अर्धशतक लगाया। कोहली ने अय्यर के साथ 102 रन की साझेदारी की। उन्हें ईश सोढ़ी ने बोल्ड कर दिया। पृथ्वी शॉ 20 और मयंक अग्रवाल 32 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। पृथ्वी और मयंक ने वनडे में डेब्यू में किया।

पृथ्वी और मयंक को रोहित-धवन की जगह टीम में रखा गया

पृथ्वी और मयंक को चोटिल शिखर धवन और रोहित शर्मा की जगह टीम में शामिल किया गया। पृथ्वी नवंबर 2018 के बाद पहली बार टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं। पिछली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट खेले थे। भारतीय प्लेइंग इलेवन में मनीष पांडे, ऋषभ पंत, शिवम दुबे और नवदीप सैनी को जगह नहीं मिली। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के प्लेइंग इलेवन में मार्क चैपमैन, काइल जैमिसन और स्कॉट कुगलिन जगह नहीं बना सके।

दक्षिण अफ्रीका की साल की पहली जीत, इंग्लैंड को दी मात

केपटाउन ए.। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए पहले वनडे मैच में विश्व चैंपियन इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया. दक्षिण अफ्रीका की इस साल किसी भी प्रारूप में यह पहली जीत है. इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है.

दक्षिण अफ्रीका को मंगलवार को टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया. मेहमान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 258 रन का स्कोर बनाया. दक्षिण अफ्रीका ने इस लक्ष्य को 14 गेंद शेष रहते तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया.इससे पहले, इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 258 रनों का स्कोर बनाया. इसमें जोए डेनले का 87, क्रिस वोक्स का 40, जेसन रॉय का 32 और जॉनी बेयरस्टो का 19 रनों का योगदान रहा.दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी ने तीन और ब्यूरेन हेंड्रिक्स, स्मटस, एंडिले फेहलुकवायो तथा अपना पदार्पण मैच खेलने वाले लुथो सिम्पला ने एक-एक विकेट हासिल किए.

मालदीव में दोस्तों के साथ एंजॉय कर रहे हैं धोनी, यह गेम खेलते दिखे इस बार

नई दिल्ली ए.। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी क्रिकेट से दूर रहकर छुट्टियां एंजॉय कर रहे हैं. इस दौरान वे अपनी फिटनेस का भी ख्याल रखते दिखाई दिए. वहीं फैंस के बीच धोनी के संन्यास की अटकलें की खबरें खूब सुर्खियों में चली, लेकिन धोनी इन सब से बेपरवाह अपनी योजनाओं पर काम कर दिखे इस बार वे वॉलीबॉल खेलते देखे गए हैं.

पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी दुनिया की चकाचौंध से दूर अपने दोस्तों के साथ मालदीव में वॉलीबॉल खेलते देखे गए हैं. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें धोनी मालदीव में अपने दोस्तों के साथ वॉलीबॉल खेलते देख जा रहे हैं.

वीडियो में पूर्व कप्तान धोनी काले रंग के टी शर्ट पहने हुए हैं और अपने दोस्तों के साथ समुद्र तट पर फुर्सत के पल बिताते दिख रहे हैं. धोनी मालदीव में अपने साथी खिलाड़ी रहे आरपीसिंह के साथ छुट्टी मनाने मालदीव पहुंचे हैं. धोनी ने पिछले साल इंग्लैंड में हुए विश्व कप के बाद से कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. विश्व कप के बाद पहले धोनी ने मिलिट्री ट्रेनिंग ली और उसके बाद भी वे कई मौकों पर विभिन्न खेलों में हाथ आजमाते दिखे. धोनी अब तक बिलियर्ड्स, फुटबॉल, और अब वॉलीबॉल में हाथ आजमाते दिखे हैं.

न्यूजीलैंड दौरे पर आखिरी मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार जीत

नई दिल्ली ए.। स्ट्राइकर नवनीत कौर के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने पांच मैचों के दौरे के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को 3-0 से हरा दिया। नवनीत ने 45वें और 58वें मिनट में गोल दागे जबकि शर्मिला ने 54वें मिनट में गोल किया । पहले दो क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। नवनीत ने 45वें मिनट में गोल करके खाता खोला । इसके बाद शर्मिला ने 54वें मिनट में भारत की बढत दुगुनी की । नवनीत ने आखिरी सीटी बजने से दो मिनट पहले गोल दागा। भारत ने इस दौरे पर पहले मैच में न्यूजीलैंड डेवलपमेंट टीम को 4-0 से हराया। इसके बाद सीनियर टीम के हाथों 1-2, 0-1 से हार गई। चौथे मैच में भारत ने ब्रिटेन को 1-0 से हराया ।

भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन गोल किए। इस दौरे से हमें भली भांति पता चल गया कि कहां सुधार करने की जरूरत है। हमें तेज रफ्तार हॉकी खेलनी होगी ।उन्होंने कहा कि कई बार खिलाड़ी लंबे समय तक गेंद को घुमाते रहते हैं जिससे दबाव बन जाता है। हमें छोटे पास देने होंगे। कोच ने कहा कि डिफेंस को थोड़ा और संयम बरतना होगा। हम छोटे ब्रेक के बाद चार सप्ताह के शिविर में भाग लेंगे। इन पहलुओं पर उस शिविर में काम किया जाएगा। भारतीय टीम सात फरवरी को स्वदेश लौटेगी ।

प्रजेनश अंतिम-16 में, पहले दौर में यानिक को हराया

नई दिल्ली ए.। भारत के नंबर एक खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन ने टाटा ओपन महाराष्ट्र टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर में प्रवेश कर लिया। प्रजनेश ने जर्मनी के यानिक मेडेन को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6 (7-4), 7-6 (7-5) से पराजित किया। दोनों सेट टाईब्रेकर में खिंचे। अंतिम 16 में अब उनका सामना दक्षिण कोरिया के क्वोन सून वो से होगा। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी अर्जुन काधे को चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली के हाथों 2-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। लाया इवाश्का ने इवगेनी डोंस्की को 6-3, 6-2 से, इगोर गेरासिमोव ने पाओलो लोरेंजी को 6-2,6-3 से, निकोला मिलोजेविक ने एंटोनी होआंग को 7-6,6-4 से और रॉबेर्टो मरकोरा ने लुकास रोसोल को 6-3,6-2 से शिकस्त देकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पेस-मैथ्यू क्वार्टर फाइनल में = दिग्गज लिएंडर पेस ने भी युगल में ऑस्ट्रेलिया के अपने जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ पहले दौर की बाधा पार कर ली। पेस-मैथ्यू ने भारत के ही दिविज शरण और ऑस्ट्रेलिया के अर्टेम सिताक की जोड़ी को 6-2,7-6 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

व्यापार

आईसीयू में है वोडा आइडिया, सरकार से नहीं मिली राहत, तो होगी परेशानीः सीईओ

नई दिल्ली ए.। वोडाफोन समूह के सीईओ निक रीड ने एक बार फिर से दोहराया है कि उसकी भारतीय इकाई वोडाफोन आइडिया फिलहाल आईसीयू में है। अगर सरकार से समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के भुगतान में राहत नहीं मिलती है तो फिर इसका असर आगे देखने को मिल सकता है। सेवाओं को बंद भी किया जा सकता है। कंपनी के तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए निक रीड ने एक प्रेस नोट में यह बात कही है। निक ने कहा कि सरकार इतना समय दे ताकि वो एजीआर के अलावा अन्य भुगतान भी समय पर कर सकें। इसको लेकर के एयरटेल, टाटा टेलिसर्विसेज और वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में सुधारात्मक याचिका दायर कर रखी है, जिस पर जल्द ही फैसला आने की उम्मीद है। कंपनियों ने अपनी याचिका में कोर्ट से अनुरोध किया है कि वो दूरसंचार विभाग को भुगतान करने की समय सीमा को आगे बढ़ा दें।

वोडाफोन को करना है 53 हजार करोड़ का भुगतान

वोडाफोन आइडिया को एजीआर के तौर पर कुल 53038 करोड़ रुपये का भुगतान करना है, जिसमें 24729 करोड़ रुपये स्पेक्ट्रम फीस और 28309 करोड़ रुपये लाइसेंस फीस के तौर पर देने हैं। रीड पहले ही कह चुके हैं कि अगर किसी तरह की राहत नहीं मिली तो उनेके पास कंपनी को बंद करने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। दूरसंचार कंपनियों को सांविधिक बकायों के रूप में सरकार को लगभग 1.47 लाख करोड़ रुपये चुकाने हैं। दूसंचार कंपनियों को लाइसेंस शुल्क के 92,642 करोड़ रुपये, स्पेक्ट्रम शुल्क के 55,054 करोड़ रुपये सरकार को चुकाने हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अक्तूबर में कहा था कि गैर दूरसंचार राजस्व के आधार पर सांविधिक बकायों यानी एजीआर की गणना की जानी चाहिए। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 24 अक्तूबर के आदेश के क्रम में लाइसेंसी कंपनियों से बकाया वसूलने के निर्देश दिए थे।

दूरसंचार कंपनियों पर कार्रवाई नहीं करेगा डॉट

डॉट की लाइसेंसिंग फाइनेंस पॉलिसी विंग ने कहा कि सभी संबंधित विभागों को सुप्रीम कोर्ट के अग्रिम आदेश तक एजीआर का भुगतान नहीं करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

396 रुपये सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में दिखी 175 से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली ए.। बुधवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। रुपये में मजबूती और घरेलू ज्वैलर्स द्वारा मांग में कमी के कारण यह कमी देखने को मिली है। दिल्ली में 10 ग्राम सोना 396 रुपये सस्ता होकर के 40871 रुपये पर आ गया है। इससे पहले मंगलवार को सोना 41,267 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमतों में 179 रुपये प्रति किलो की कमी आई है और यह 46,881 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इससे पहले मंगलवार को चांदी 47,060 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 71.17 पर करोबार कर रहा था। रुपया आज छह पैसे की बढ़त के साथ 71.21 के स्तर पर बंद हुआ है।वैश्विक बाजार में सोना 1,554 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 17.70 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी) तपन पटेल ने बताया कि चीनी सूचकांकों में स्थिरता और वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते सोने की कीमतों में यह गिरावट आई है।

Tomar Associates
TOMAR ASSOCIATES
Deals in
प्रोपटी- प्लॉट, मकान, विला, फ्लैट, दुकान, कृषिभूमि
सोलर- शौर्य ऊर्जा, रेसिडेंसियल कॉमरसियल
वायोडीजल- छोटे पम्प, बड़े पम्प

अधिक जानकारी के सम्पर्क करें। - 9713253992 E-mail : tomarassociates514@gmail.com
ऑफिस- : A-404 भाऊ साहब इन्कलिव इन्द्रमणि रोड़ गोले का मन्दिर ग्वालियर

सनग्लासेज खरीदना है

छोटे और स्किनी शेड्स का है ट्रेंड

फैशन में एक बार फिर से 90 के दशक के फैशन की वापसी हो रही है। इस समय में छोटे फ्रेम के सनग्लास का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। फैशन को देखते हुए मार्केट में छोटे और राउंड फ्रेम के सनग्लासेस की मांग बढ़ने लगी है। आलिया भट्ट, सोनम कपूर, कंगना से लेकर अनुष्का शर्मा तक पिछले दिनों कई इवेंट्स के दौरान छोटे और स्किनी सनग्लास में नजर आईं।

सनग्लास का ट्रेंड : स्किन सनग्लासेज का नया ट्रेंड शुरू होने के बाद अब शहर के युवाओं के बीच यह फैशन पूरी तरह से छा गया है। पर्पल, रेड, ब्लू, ब्राउन और ब्लैक जैसे बेसिक रंग इस बार भी चलन में हैं। युवाओं को हेक्सागनल, कैट आई, फ्लैट ओवल फ्रेम्स के छोटे साइज के शेड्स पसंद किए जा रहे हैं। साथ ही युवा इस ट्रेंड को अपना स्टाइल स्टेटमेंट बना रहे हैं। वैसे तो विभिन्न शेप्स के साथ प्रयोग किए जा रहे सनग्लास काफी चलन में हैं लेकिन ज्यादातर छोटे साइज़ के बेसिक फ्लैट ओवल व गोल जैसे फ्रेम्स न्यूड, रेडिश, ओरेंज, ओपैक व अन्य लाइट रंगों की मार्केट में डिमांड ज्यादा है।

ग्रे कलर का सनग्लास है बेस्ट : वैसे, जान लें कि धूप के चश्मे के लिए ग्रे रंग सबसे अच्छा होता है, क्योंकि इसमें सब कुछ सामान्य दिखता है। जिन लोगों की दूर की नजर खराब होती है, उन्हें ग्रे रंग का लेंस लेने की सलाह दी जाती है, वहीं जिनको नजदीक की चीजें देखने में दिक्कत होती है, उन्हें भूरे रंग का लेंस इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। हरे और पीले रंग का लेंस भी आंखों के लिए अच्छा माना जाता है। गुलाबी या उससे मिलते-जुलते रंग का धूप का चश्मा न पहनें।

धूप के चश्मे की खरीददारी के वक्त अच्छे ब्रांड को हमेशा प्राथमिकता दें। लोकल सनग्लासेज आंखों पर नकारात्मक असर डालते हैं।

फ्रेम भी रखता है मायने

सनग्लासेज खरीदते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि फ्रेम बहुत ज्यादा भारी न हो। बाजार में प्लास्टिक से लेकर मेटल तक के फ्रेम मिलते हैं। फ्रेम के रंग और डिजाइन का चुनाव अपने चेहरे के आकार और व्यक्तित्व के अनुरूप करें।

खरीदें अच्छा ब्रांड : धूप के चश्मे की खरीददारी के वक्त अच्छे ब्रांड को हमेशा प्राथमिकता दें। लोकल सनग्लासेज आंखों पर नकारात्मक असर डालते हैं। सनग्लासेज ऐसे होने चाहिए, जो आपकी पूरी आंख को ढके, वजन कम हो और साथ ही वह स्क्रैच प्रूफ भी हो। धूप का चश्मा खरीदते वक्त सस्ते के चक्कर में न पड़ें, वर्ना बाद में आप मुसीबत में पड़ सकती हैं।

यूवी प्रोटेक्शन है जरूरी : सूरज की पराबैंगनी किरणें न सिर्फ त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि आंखों के लेंस और कॉर्निया को भी नुकसान पहुंचाती हैं। धूप का चश्मा खरीदते वक्त यह ध्यान रखें कि चश्मे में यूवीबी और यूवीए किरणों के प्रति लेंस ब्लॉक 99 से 100 प्रतिशत तक हो। हर दिन सनग्लासेज पहनने की आदत डालें। इसके अलावा बच्चों को सनग्लासेज पहनाकर ही बाहर ले जाएं।

ज्यादा स्मार्ट और क्रिएटिव

आज के डिजिटल दौर में लोग कुछ लिखने या लिखकर सेव करने के लिए ब्लॉग और सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं. लेकिन अगर पुराने दिनों की बात करें, जब मोबाइल फोन नहीं हुआ करते थे तो डायरी ही मुख्य रिमाइंडर हुआ करती थी. आज भी डायरी का उतना ही महत्व है. डायरी में लिखा गया कुछ भी हमेशा सुरक्षित रहता है. इसलिए आपको रोज डायरी लिखनी चाहिए.

1-कुछ खास घटनाओं को संजोकर रख सकते हैं- डायरी आपकी स्मृतियों का बैंक है। किसी घटना को आप जस का तस डायरी में लिखकर फोटो के साथ रख सकते हैं। कुछ सालों बाद उस पुरानी स्मृति से गुजरना आपके लिए रोमांचक अनुभव होगा।

2-अपने विचार और भावनाओं को लिख सकते हैं- कभी-कभी अचानक कुछ ऐसी बातें मन में आती हैं कि अगर उन्हें कहीं लिखकर सुरक्षित न रख लिया जाए तो वे गायब हो जाती हैं। इसलिए उसे तुरंत कहीं दर्ज कर लेना चाहिए।

3-खुद से प्रेरणा देती हैं- डायरी आत्मविश्वास हासिल करने का बेहतरीन जरिया है। आप कुछ ऐसा लिखते हैं, जिससे आप प्रेरित होते हैं। इससे डायरी लिखने का अनुभव यादगार भी बनता है और हमेशा प्रेरणादायक भी रहता है।

4-अपना व्यक्तिगत समय कैद कर सकते हैं- जब आप फोटो एलबम देखते हैं तो कितने आनंदित और रोमांचित होते हैं। जब आप डायरी में अपने गुजरे हुए अनुभव पढ़ते हैं, तब भी ऐसा ही महसूस होता है। डायरी के शब्द उन अनुभवों को तस्वीर के रूप में पेश करते हैं।

5-लेखन शैली अच्छी हो जाती है- प्रतिदिन डायरी लिखने का एक और बड़ा फायदा यह होता है कि आपकी भाषा में सुधार होता है और लेखन शैली अच्छी हो जाती है।

6-रचनात्मकता बढ़ती है- जब आप लिखना शुरू करते हैं तो जैसे-जैसे सोचते हैं, आप अपने विचारों को शब्दों में बयां करना शुरू करते हैं। इस तरह आपकी रचनात्मकता बढ़ती जाती है।

7-अपनी सफलता को चीयर कर सकते हैं- जब आप कोई छोटी या बड़ी सफलता पाते हैं तो आप उस अनुभव के बारे में लिखकर उस खुशी को दुगुना कर सकते हैं। 8-समझदारी का विस्तार होता है ङ्क कई बार हमारा कोई काम या कोई फैसला सही नहीं होता। लेकिन इसका एहसास वक्त के साथ ही होता है। इसलिए जब आप ऐसी किसी पुरानी घटना के बारे में डायरी में पढ़ते हैं तो आपको अपनी गलती का एहसास होता है। इस तरह आप पहले से ज्यादा समझदार भी बनते हैं।

9-अपनी गलतियां ध्यान में रख सकते हैं- जब आप अपने बारे में लिखते हैं तो आप अपनी कमियों या सीमाओं का भी ध्यान रखते हैं। ऐसे में उसे सुधारने का भी प्रयास करते हैं।

10-आपको आकर्षक बनाती है- जी हां, अगर आपको पढने-लिखने का शौक है तो डायरी आपके व्यक्तित्व को और आकर्षक बनाती है।

नेगेटिव कैलरी फूड्स नहीं बढ़ने देते वजन

हम में से ज्यादातर लोग कैलरी के बारे में जानते हैं। जिनको अपने बढ़ते वजन की फिक्र होती है, वह कैलरी की एक-एक मात्रा का खासा ध्यान रखते हैं। ऐसे में आपको पता चले की नेगेटिव कैलरी भी होती हैं, तो आपका रिएक्शन अजीब होगा। सुनने में अटपटा है लेकिन इस बारे में आपका जानना भी जरूरी है:

क्या होती है नेगेटिव कैलरी : नेगेटिव कैलरी फूड वह खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें पचाने के लिए और कैलरीज की जरूरत पड़ती है। यह इस बात का संकेत है कि आप इस तरह का कोई भी फूड लें, लेकिन उससे आपका वजह नहीं बढ़ेगा। जब आप इन फूड्स को खा लेते हैं, तब आपकी बॉडी में भी कैलरी बर्न होना शुरू हो जाती है।

इनमें फाइबर की मात्रा होती है भरपूर : नेगेटिव कैलरी ज्यादातर पौधों से प्राप्त होने वाली चीजों में पाई जाती है और इनमें फाइबर और पानी की मात्रा अधिक होती है। फूलगोभी, सलाद, तरबूज, गाजर, ककड़ी, सेब, टमाटर और तोरई में नेगेटिव कैलरी पाई जाती हैं। वजन घटाने के लिए इस तरह के खाद्य पदार्थ आपकी रस प्रक्रिया को बढ़ाते हैं क्योंकि उनमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इनको पचाने का वक्त भी काफी लंबा होता है और इस प्रकार यह आपके मेटाबॉलिज़्म (रस प्रक्रिया) को पुन: जीवित कर देते हैं।

सेवन से नहीं बढ़ता वजन : अजवाइन को नेगेटिव कैलरी का सबसे अच्छा खाद्य पदार्थ माना जाता है। 100 ग्राम अजवाइन में 16 फीसदी कैलरी होती है। जबकि आपके शरीर को इसे पचाने के लिए इससे अधिक कैलरी की जरूरत पड़ती है। इसलिए नेगेटिव कैलरी वाले खाद्य पदार्थ वजन कम करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि वह न केवल कैलरी में कम होते हैं, बल्कि वे सामान्य खाद्य पदार्थों की तुलना में अधिक कैलरी बर्न करने में भी मदद करते हैं। हम जो कुछ भी खाते हैं, उनमें कहीं-न-कहीं कैलरी की मात्रा होती ही है।

कम पैसों में स्मार्ट शॉपिंग करने के लिए ये हैक्स अपनाएं

अगर आप उन लोगों में से है जो हर बार यही सोचकर जाते हैं कि लिमिटेड बजट और पैसों में शॉपिंग करनी है लेकिन बजट के बाहर पैसे उड़ाकर आ जाते हैं तो हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ हैक्स जिनकी मदद से आप अनचाही चीजें खरीदने से बच जाएंगी। खासतौर पर ऐसी चीजें जिनकी आपके वॉरड्रोब में फिलहाल कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि यही वे गैर-जरूरी चीजें हैं जिन्हें खरीदने की वजह से आप बजट और तय लिमिट से ज्यादा पैसे खर्च कर देती हैं...

हाई हील्स पहनकर जाएं

जब बात शॉपिंग की आती है तो ज्यादातर लड़कियां फ्लैट और कंफर्टेबल सैंडल, शूज या स्नीकर्स पहनना पसंद करती हैं ताकि वे आराम से शॉपिंग कर सकें। लेकिन हम आपको हाई हील पहनने की सलाह इसीलिए दे रहे हैं ताकि आपका पूरा ध्यान आपके हील्स पर बैलेंस बनाकर चलने पर रहे और आप 10 अलग-अलग स्टॉल्स पर जाकर गैर-जरूरी चीजें नहीं खरीदेंगी और अपनी लिस्ट के हिसाब से ही शॉपिंग करेंगी।

दुखी हों तो शॉपिंग के लिए न जाएं

बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं जो अपने खराब दिन पर खुद को पैंपर करने के इरादे से लोकल शॉप या शॉपिंग मॉल्स में शॉपिंग करने पहुंच जाते हैं। हम आपको बता दें कि ऐसा करना कहीं से भी सही नहीं है और दुखी होने पर शॉपिंग करना एक बैड आइडिया है। हो सकता है कि वह वक्त आपको अस्थायी खुशी मिले लेकिन बेवजह खर्च किए गए पैसे बाद में आपको दुख ही देंगे।

नए नोट से पेमेंट करें

आपने भी फील किया होगा ना कि नए नोट अपने पास रखना कितना अच्छा लगता है और कोई भी उसे किसी और को देना नहीं चाहता। शॉपिंग के दौरान भी आप इसी साइकॉलजी का इस्तेमाल कर सकती हैं। एटीएम से निकले फ्रेश नोट लेकर शॉपिंग करने निकलें ताकि आप खुद को फालतू का खर्च करने से रोक सकें।

खर्च का हिसाब लगाते रहें

जब आप शॉपिंग के लिए निकलें तो एक बजट सेट कर लें और अपने फोन पर कैलक्युलेटर खोलकर रखें। आप जो भी सामान खरीदें उसकी कीमत को जोड़ते जाएं। काउंटर पर पहुंचकर बिल पेमेंट करने से पहले ही अगर आपको स्मार्टफोन पर दिख जाएगा कि आप कितना खर्च करने जा रहे हैं

आपके किचन की ये 3 चीजें दूर कर देंगी दांतों का पीलापन

कहते हैं मुस्कुराहट किसी का भी दिल जीत लेती है। वैसे स्माइली चेहरे हर किसी को पसंद आते हैं, लेकिन एक खूबसूरत मुस्कुराहट के पीछे आपके दातों का भी अहम रोल होता है। अगर आपके दांत एकदम चमचमाते और वाइट नजर आएंगे, तो आपकी मुस्कुराहट लोगों को और भी पसंद आएगी। ये टिप्स आपके येलो टीथ को वाइट बना देंगे...

नारियल का तेल बड़े काम का:

आज तक आपने नारियल के तेल को बालों में या बॉडी की मालिश के बारे में सुना होगा, लेकिन आपके पीले दांतों के लिए यह किसी जादूई ऑयल से कम नहीं है। अगर आपके दांत भी पीले हैं, तो आपको बस इतना करना है कि एक चम्मच नारियल तेल लें और फिर उसे अपने दांतों पर मलें। इसके अलावा आप एक तरीका और भी है, जिसके जरिए आप दांतों के पीलेपन को खत्म कर सकते हैं। आप अपने टूथब्रश में कुछ बूंदें नारियल तेल की डालें और उसी से अपने कुछ मिनट तक दांतों को ब्रश करें और फिर कुल्ला कर लें।

सेब का सिरका चमकाए दांत :

सेब का सिरका अपने एसिटिक गुणों के लिए जाना जाता है, जो दांतों की बाहरी परत पर मौजूद बैक्टीरिया को मारने में आपकी मदद करता है। आपको कुछ ही मिनटों तक इस सिरके को अपने दांतों पर रगड़ना है और आपके सामने इसके रिजल्ट दिखने लगेंगे।

प्रमुख आयुक्त , जीएसटी, भारत सरकार के निर्देश पर म. प्र. सरकार द्वारा

राज्य स्तरीय जीएसटी शिकायत निवारण समिति का किया गया गठन

समिति में मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, सदस्य मनोनीत

कुल 22 सदस्यों की उक्त समिति में राज्य कर (जीएसटी) के चीफ कमिश्नर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रदेश के व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं ग्वालियर से डॉ प्रवीण अग्रवाल को प्रतिनिधित्व दिया गया है संस्था के मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल को उपरोक्त राज्य स्तरीय जीएसटी शिकायत निवारण समिति में सदस्य, मनोनीत किए जाने पर, अध्यक्ष-श्री विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशान्त गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल सहित संस्था के सभी सदस्यों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । प्रमुख आयुक्त, जीएसटी पॉलिसी विंग, नई दिल्ली के निर्देश पर म. प्र. सरकार द्वारा राज्य स्तर की शिकायत निवारण समिति, जो कि जीएसटी से संबंधित मुद्दों पर करदाताओं की शिकायतों के निवारण के लिए, व्यापार परामर्शदात्री के सदस्यों और कर विशेषज्ञों के परामर्श से गठित की गई है । समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा और समिति की प्रत्येक तीन माह में आवश्यक रूप से बैठक आयोजित होगी । साथ ही, समिति के सह-अध्यक्षों द्वारा एक से अधिक बार बैठक आयोजित करने का निर्णय लेकर, बैठक आयोजित की जा सकेगी । उपरोक्त समिति में चेम्बर

ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल को सदस्य मनोनीत किया गया है । कुल 22 सदस्यों की उक्त समिति में राज्य कर (जीएसटी) के चीफ कमिश्नर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रदेश के व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं ग्वालियर से डॉ प्रवीण अग्रवाल को प्रतिनिधित्व दिया गया है संस्था के मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल को उपरोक्त राज्य स्तरीय जीएसटी शिकायत निवारण समिति में सदस्य, मनोनीत किए जाने पर, अध्यक्ष-श्री विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशान्त गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल सहित संस्था के सभी सदस्यों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। वहीँ डॉ प्रवीण अग्रवाल ने तस्ज्ञ करदाताओं से अपील की है वह तस्ज्ञ से सम्बंधित समस्याओ को लिखित में चेम्बर कार्यालय में दे सकते है।

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित सफाई कर्मियों के एक दिवस के वेतन काटने के दिये निर्देश

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में सफाई कर्मियों द्वारा शहर को साफ सुधरा रखने के लिए रात दिन काम किया सभी के सराहनीय प्रयास से शहर साफ दिखने लगा और आगे भी इसी प्रकार शहर को स्वच्छ व साफ रखना है। इसके लिए डब्ल्यूएचओ को सफाई कर्मियों के साथ मिलकर अपने अपने वार्ड को साफ रखना है। जहां भी दलेल की आवश्यकता हैं वहां दलेल लगाकर साफ सफाई कराई जाये। उक्ताश्य के विचार उपायुक्त स्वास्थ्य श्री सत्यपाल सिंह चैहान ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए सफाई कर्मियों को दिए।

उपायुक्त श्री चैहान द्वारा प्रतिदिन की भांति आज 05 फरवरी को सुबह 7 बजे वार्ड क्र 03 का निरीक्षण किया गया। जिसमे वार्ड 03 पर पदस्थ डब्लूएचओ श्री ताराचंद पवार नदारद मिले। जानकारी प्राप्त करने पर पाया गया कि डब्लूएचओ का पुत्र श्री श्याम पवार द्वारा हाजरी ली जा रही है। श्री श्याम वार्ड 03 पर सफाई मित्र (विनियमत) के रूप मे पदस्थ हैं। वार्ड 03 मे कुल 60 सफाई मित्रो मे से 23 सफाई मित्र अनुपस्थित पाये गये जिनके वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त श्री चैहान को निरीक्षण के दौरान जहां भी जो खामी मिल रही है तत्काल उसे ठीक कराया जा रहा है और लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही भी की जा रही है।

हाईकोर्ट ग्वालियर में 8 फरवरी को नेशनल लोक अदालत

ग्वालियर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं न्यायमूर्ति श्री शील नागू, प्रशासनिक न्यायाधिपति / को चेयरमेन उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर के मार्गदशन में शनिवार 8 फरवरी को मध्यप्रदेश उच्च न्ययालय खंडपीठ ग्वालियर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण हो इस संबंध में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/ सचिव श्री एन के सक्सेना द्वारा हाईकोर्ट के संबंधित अधिकारियों को नेशनल लोक अदालत में रखे जाने वाले प्रकरणों को चिन्हित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए हैं ।

श्री सक्सेना द्वारा बताया गया है कि इस लोक अदालत में उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, निगोशियेबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट के अन्तर्गत चैक बाउन्स प्रकरण, बैंक वसूली मोटर दुर्घटना क्लेम अपील, श्रम प्रकरण, विद्युत एवं जल बिल, वैवाहिक प्रकरण, भू-अधिग्रहण, सर्विस एवं सेवानिवृत स्वत्व भुगतान संबंधित रिट पिटीशन, सिविल प्रकरण एवं राजस्व प्रकरण सहित अन्य राजीनाम योग्य प्रकरणों का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जायेगा । लोक अदालत के माध्यम से निराकृत प्रकरणों में पक्षकार पूर्व में अदा की गई कोर्ट फीस वापिस पाने का हकदार होगा । जो पक्षकार उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के समक्ष अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण 8 फरवरी को आयोजित नेशनल लोकअदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं वह अपनी सहमति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर नवीन उच्च न्यायालय भवन परिसर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । पक्षकारगण से अपील की गई है कि उक्त लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर अपने प्रकरणों का निराकरण करवाकर लोक अदालत का लाभ उठायें ।

जीवन सुगमता का सूचकांक तैयार करने हेतु

विभागीय अधिकारी समय पर दें जानकारी

ग्वालियर। ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स यानि जीवन जीने की सुगमता इसमें ग्वालियर शहर किस पायदान पर है, इसका सर्वे कराया जायेगा। देश की 100 स्मार्ट सिटियों में यह सर्वे का कार्य किया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान विभिन्न विभागों को अपने-अपने विभाग से संबंधित जानकारी फीड करना है। सभी विभागीय अधिकारी उक्त कार्य को प्राथमिकता से करें, ताकि हमारा शहर भी रैंकिंग में अच्छा स्थान पा सके। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। उक्त जानकारी 14 कैटेगिरी में विभाजित की जाकर फीड की जाना है। इसके लिए सीईओ स्मार्ट सिटी श्री महिप तेजस्वी समन्वयक की भूमिका में कार्य कर रहे हैं। इनके माध्यम से ही सम्पूर्ण जानकारी तैयार कर अपलोड की जायेगी। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्वालियर विकास प्राधिकरण श्री वीरेन्द्र सिंह, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री महिप तेजस्वी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण श्री बी के शर्मा, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें श्री दीक्षित सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण, नगर निगम, पुलिस एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने बताया कि भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एण्ड अर्बन वेलफेयर द्वारा संचालित पोर्टल के माध्यम से शहर की नगर

संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

पालिकाओं व जीवन की सुगमता का सूचकांक तैयार किया जा रहा है। इनमें तीन स्तम्भों में क्वालिटी ऑफ लाइफ में एज्यूकेशन, हैल्थ, हाउसिंग, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, मोबिलिटी एवं सेफ्टी व सिक्यूरिटी को लेकर शहर कितना सुविधा सम्पन्न है, जानकारी ली जा रही है। इसके साथ ही इकोनोमिक एबिलिटी में लेवल ऑफ इकोनोमी डवलपमेंट क्या है, इसकी भी जानकारी संकलित की जा रही है।

बैठक में श्री तेजस्वी ने बताया कि शहर में पर्यावरण की स्थिति और अनुकूल वातावरण की जानकारी हासिल करने के लिए सस्टेनेबिलिटी में एनवायरमेंट, ग्रीन स्पेसेज एण्ड बिलिडंग्स, एनर्जी कन्सपशन एवं सिटी रेजीलिएंस का सर्वे होगा। श्री तेजस्वी ने बताया कि ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स को प्रतिशत आधार पर चार श्रेणियों में रखा है। इसमें 30 प्रतिशत सिटीजन पर्सेप्शन (नागरिक अनुभूति), 35 प्रतिशत क्वालिटी ऑफ लाइफ, 15 प्रतिशत इकोनोमिक एक्टिविटी एवं 20 प्रतिशत सस्टेनेबिलिटी के लिए है। सीईओ श्री तेजस्वी ने बताया कि इसमें नागरिक अपना फीडबैक भी दे सकते हैं। इसके लिए क्यू.आर. कोड को स्कैन कर अथवा लिंक पर जाकर अंकित कर सकते हैं। श्री तेजस्वी ने बताया कि नगर पालिका प्रदर्शन सूचकांक नगर पालिकाओं के क्षेत्रीय प्रदर्शन की जांच करता है। इसमें जो पांच वर्टिकल हैं उनमें सर्विसेज, फाइनेंस, टेक्नोलोजी, प्लानिंग एवं गवरनर्स शामिल है।

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

ग्वालियर। ग्वालियर में निर्मित किए जा रहे रेलवे ओवरब्रिजों के निर्माण में सेतु निर्माण विभाग एवं रेलवे के साथ समन्वय के मुद्दे को लेकर कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को और गति प्रदान करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, एडीएम श्री टी एन सिंह, सेतु निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री मोहन सिंह, रेलवे के कार्यपालन यंत्री श्री ए के जैन सहित पीडब्ल्यूडी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने शहर में निर्मित किए जा रहे चारों रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के संबंध में रेलवे के माध्यम से की जा रही कार्रवाई तथा सेतु निर्माण विभाग को रेलवे की ओर से अपेक्षित सहयोग के संबंध में चर्चा की। इसके साथ ही शहर में यातायात को और व्यवस्थित करने हेतु रेलवे गेटों को ठीक करने के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

खुशियों की दास्तां

बेटियों को सेल्फ डिफेंस की प्रेरणा दे रही है निशा

ग्वालियर। बेटियां दो घरों की लाज होती हैं, बेटियों के बिना जीवन अधूरा है बेटियां बोझ नहीं है, बेटी बचाओ बेटी पढाओ के साथ-साथ बेटियों को सेल्फ डिफेंस भी सिखाओ तभी बेटियां सुरक्षित रह सकती हैं, यह कहना है बेटी बचाओ बेटी पढाओ की ग्वालियर जिले में महिला बाल विकास विभाग द्वारा बनाई गई ब्रांड एम्बेसडर बेटी निशा जाटव का। जो जिले में बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संदेश घर-घर तक पंहुचाने का कार्य कर रहीं हैं। बेटी बचाओ बेटी पढाओ की ब्रांड एम्बेसडर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पीयन निशा जाटव ने प्रदेश और देश में कई मैडल जीत कर परिवार और जिले का मान बढाया है। निशा जाटव की खेल भावना को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने 2012 में एकलव्य अवार्ड से सम्मानित किया है। उनका कहना है कि आये दिन बेटियों के साथ हो रही घटनाओं को देखते हुए प्रत्येक बेटी को बॉक्सिंग और सेल्फ डिफेंस की क्लास जरूर जाना चाहिए जिससे वह खुद तो सुरक्षित रहेगीं साथ ही उसमें आत्मविशवास भी बढेगा। माता पिता को भी बेटियों को सेल्फ डिफेंस के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बेटी बचाओ बेटी पढाओ की ब्रांड एम्बेसडर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पीयन निशा जाटव का कहना है कि मैं ज्यादा से ज्यादा बेटियों को सेल्फ डिफेंस सीखने के लिए प्रेरित करती हूं, जिससे वह खुद तो सुरक्षित रहेगी। साथ ही परिवार को भी सुरक्षित रख सकेगी। इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी मिलेगें। अपनी बेटियों की तुलना लडकों से नहीं करना चाहिए बेटियां सबसे अलग होती हैं। उनको जिस फील्ड में जाना है उन्हे जाने दीजिए रोको नहीं लडकियों को सपोर्ट करो। महिला बाल विकास विभाग द्वारा ब्रांड एम्बेसडर बनाई गई निशा जाटव आज शहर की बेटियों के लिए प्रेरणा तो बनी साथ ही स्वयं तो आत्मनिर्भर हैं ही दूसरी बेटियों को भी सेल्फ डिफेंस सीखने की प्रेरणा देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित कर रहीं हैं।

आधी रात को घेराबंदी कर पकड़े किडनेपर्स

ग्वालियर। शादी समारोह में शामिल होने आये दो युवकों की बदमाशों ने मारपीट की और जबरन कार में डालकर ले गये। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के तानसेन मकबरा के सामने की बीती रात करीब साढ़े बारह बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद हमलावरों की तलाश में घेराबंदी कराई। जिस पर पुलिस ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आरोपियों को दबोचकर युवकों को मुक्त कराया। ग्वालियर थाना पुलिस ने बताया कि हजीरा थाना क्षेत्र के गदाई पुरा निवासी सौरभ अग्रवाल पुत्र शंभूदयाल अग्रवाल व्यवसायी है और उसकी चप्पलों की दुकान है। बीती रात वह अपने चचेरे भाई रवि की शादी में शामिल होने के लिये तानसेन मकबरा के पास आया था। उसके साथ उसका दोस्त सौरभ वाल्मीक भी था। वह और सौरभ खाना खाकर बाहर आये तो उसे तीन बदमाश सोनू यादव,शुभम यादव और बृजेश कोरी ने उनकी मारपीट कर दी। इसके बाद वह उन्हें कार क्रमांक एमपी 07 सीएफ 0479 में डालकर ले गये। शादी समारोह आयी सौरभ अग्रवाल की मां को पता तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बदमाशों की घेराबंदी में लग गयी, हजीरा थाना क्षेत्र में पकड़ लिया। पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी कार जब्त कर ली है।

संस्था को मजबूत बनाने के लिए करों की वसूली को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

विकास योजनाओं का कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता से हो : एम बी ओझा

ग्वालियर। नगर निगम को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सम्पत्ति कर के साथ ही अन्य करों की वसूली भी निगम के अधिकारी लक्ष्य के अनुरूप करें। करों की वसूली में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी । इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वपूर्ण शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्रभावी रूप से किया जाए, ताकि आम जनों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले।

संभागीय आयुक्त एवं प्रशासक नगर निगम ग्वालियर श्री एम बी ओझा ने बुधवार को निगम मुख्यालय पर निगम की योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ सम्पत्ति कर एवं अन्य करों की वसूली की स्थिति का आंकलन करने हेतु आयोजित बैठक में निगम अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। बैठक में नगर

निगम प्रशासक ने की निगम की योजनाओं और सम्पत्ति कर की समीक्षा

निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, अपर आयुक्त श्री नरोत्तम भार्गव, अपर आयुक्त श्री आर के श्रीवास्तव, अपर आयुक्त श्री राजेश श्रीवास्तव, अपर आयुक्त श्री आर के शुक्ला सहित निगम के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। निगम प्रशासक ने बैठक में अमृत परियोजना के तहत शहर में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सीवर एवं पानी की लाईन बिछाने, पानी की टंकियों के निर्माण तथा सीवरेज एवं वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। श्री ओझा ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की इन महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन ग्वालियर में पहले से ही निर्धारित अवधि में नहीं हो पाया है। कार्यों को तेजी के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेन्सियों को भी निर्देशित किया कि सीवर एवं पानी के ट्रीटमेंट प्लांटों का निर्माण 31 मार्च 2020 तक पूर्ण करें। इसके साथ ही पानी की टंकियों का निर्माण कार्य भी मार्च माह से पूर्व किया जाए।

प्रशासक श्री ओझा ने बैठक में सीवर एवं पानी की लाईन बिछाने के बाद सड़कों को ठीक करने की जो कार्रवाई की जा रही है, उस पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहर में अनेक स्थानों पर सीवर और पानी की लाईन बिछाने के पश्चात सड़कों को ठीक नहीं किया गया है। यह स्थिति ठीक नहीं है। सभी निर्माण एजेन्सियां लाईन बिछाने के पश्चात प्राथमिकता से सड़क को ठीक करने का कार्य करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सड़कों को ठीक करने का कार्य समय-सीमा में हो। इसके साथ ही भविष्य में लाईन बिछाने के बाद सड़क ठीक करने के पश्चात ही आगे की सड़क खोदने का कार्य किया जाए। बैठक

में अमृत परियोजना के तहत तिघरा से जलालपुर तक पानी की लाईन बिछाने के कार्य की भी समीक्षा की गई। उक्त कार्य को भी तेजी के साथ पूरा करने के निर्देश संबंधित एजेन्सी को दिए गए। प्रशासक श्री ओझा ने सभी निर्माण एजेन्सियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि आगामी 4 मार्च को अमृत परियोजना की पुन~ समीक्षा की जायेगी। समीक्षा के पूर्व सभी निर्माण एजेन्सियां दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही निर्माण एजेन्सियां अपने-अपने कार्य पर अधिक मशीनें एवं लेबर लगाकर कार्य तेजी के साथ पूर्ण कराएं।

करों की वसूली को दें सर्वोच्च प्राथमिकता-नगर निगम प्रशासक श्री एम बी ओझा ने निगम अधिकारियों की बैठक में सम्पत्ति कर, जल कर एवं अन्य करों की वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक नगर निगम आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होगा, तब तक शहर विकास के कार्यों को और गति नहीं मिल सकती। नगर निगम ग्वालियर में 75 करोड़ रूपए के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीति बनाकर वसूली की कार्रवाई की जाए। बड़े बकाएदारों के यहां वसूली के लिए दल बनाकर जाएं और वसूली करें। वसूली के कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रशासक श्री ओझा ने बैठक में अपर आयुक्त एवं उपायुक्तों को भी निर्देशित किया कि वे वसूली के कार्य का नेतृत्व करें और अपने-अपने क्षेत्र में लक्ष्य अनुरूप वसूली का कार्य कराएं। प्रतिदिन वसूली की समीक्षा भी अपने-अपने क्षेत्र के अपर आयुक्त करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम की वसूली की साप्ताहिक समीक्षा मेरे द्वारा भी की जायेगी। जिन क्षेत्रों में भी लक्ष्य अनुरूप वसूली नहीं पाई गई वहां के संबंधित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। प्रशासक श्री एम बी ओझा ने बैठक में यह भी निर्देशित किया कि केन्द्र सरकार एवं अन्य शासकीय संस्थान जिनसे सम्पत्ति कर लिया जाना हैं उनसे भी सम्पत्ति कर लेने की कार्रवाई की जाए। इसके लिए नगर निगम आयुक्त स्वयं पहल करें। आवश्यकता हो तो संस्था प्रमुख को मेरी ओर से भी पत्र भेजा जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित की जा रहीं विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि सम्पत्ति कर वसूली के लिए भी निगम विशेष प्रयास कर रहा है। लक्ष्य अनुरूप निगम वसूली करेगा। इसके लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे। अमृत के कार्यों को भी गति प्रदान की गई है। 31 मार्च तक कई कार्य पूर्ण भी कर लिए जायेंगे। टंकियों के निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। निगम आयुक्त श्री माकिन ने बैठक में यह भी बताया कि अमृत परियोजना के तहत सीवर और पानी की लाईन डालने के कारण जो सड़कें खराब हुई हैं उनको प्राथमिकता से ठीक कराने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जहां-जहां आवश्यकता है वहां निगम अपने स्तर से भी सड़कों को ठीक करने का कार्य कर रहा है।

दो जेडओ निलंबित-निगम प्रशासक श्री एम बी ओझा ने निगम की समीक्षा बैठक में सूचना के बाद भी उपस्थित न होने पर क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्र.-21 श्री राजू गोयल एवं क्षेत्र क्र.-25 श्री सौरभ शाक्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में निगम के सभी क्षेत्राधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्राधिकारी अपने-अपन क्षेत्र में सभी कार्यों के लिए जवाबदार अधिकारी हैं। निर्माण कार्य, सफाई, कर वसूली के साथ-साथ निगम की सभी गतिविधियों के लिए क्षेत्राधिकारी अपने क्षेत्र का जिम्मेदार अधिकारी है। कोई भी अधिकारी अपने दायित्व से मुक्त नहीं है। सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कालोनी भिण्ड रोड गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/MPHIN31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333- मोबा.8269307478,